दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 रायपुर, गुरुवार 2 दिसंबर 2021, कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-285 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

क्षमा बड़न को चाहिए छोटन को उत्पात। पता नहीं इतनी छोटी सी बात बड़न को क्यों नहीं समझ मे आ रही है? संसद में सत्तापक्ष बड़न होता है और विपक्ष छोटन। छोटन का काम ही उत्पात मचाना होता है इसलिए बड़न को बड़ा दिल दिखाते हुए छोटन को क्षमा कर देना चाहिए। ये क्या बात हुई कि छोटन को क्षमा मांगने के लिए बाद्ध किया जाए। छोटन को उत्पात करने की छूट है। इसके लिए माफी मांगने का प्रश्न ही पैदा नही होता। सभी दर्जन भर छोटन माननीयों अपना संघर्ष जारी रखों देश का हर छोटन, छोटू और छुटभैय्ये आप के साथ है।

सूर्योदय

उदय : 6:44 प्रात:

अस्त : 5:16 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,910,425,886

भारत: 1,398,554,140

बाजार

सेंसेक्स : 57,684.79

निफ्टी: 17,166.90

गोल्ड : 46,750 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 61,700 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 4.56 प्रति नग

दिवस

विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस: विश्व भर में कंप्यूटर साक्षरता दिवस प्रति वर्ष 2 दिसंबर को मनाया जाता है। कंप्यूटर साक्षरता का अर्थ है- कंप्यूटर क्या कर सकता है और क्या नहीं, इसका ज्ञान होना। अगर हम आज की स्थिति में देखें तो पाएंगे कि कंप्यूटर का ज्ञान अधिकांश लोगों को है। कंप्यूटर का ज्ञान होना आज की युवा पीढ़ी के साथ साथ हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। भारत में तेजी से बढ़ती हुई डिजिटल तकनीक और डिजिटल भविष्य को ध्यान में रखते हुए कंप्यूटर का ज्ञान होना अति आवश्यक हो गया है।

ओमिक्रॉन के खौफ के बीच केंद्र ने राज्यों को दिए निर्देश

- **कोविड हॉटस्पॉट के 100 फीसदी सैंपलों की हो जीनोम सिक्वेंसिंग**

नई दिल्ली। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन ने दुनियाभर में एक बार फिर से दहशत फैला दी है। यूं तो स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि देश में अभी तक इस वैरिएंट का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है लेकिन डेल्टा वैरिएंट से मची तबाही के मद्देनजर केंद्र सरकार इस बार किसी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। आज से एयरपोर्ट पर जहां नई गाइडलाइंस लागू की जा रही हैं तो वहीं, केंद्र सरकार ने राज्यों को भी निर्देश दिए हैं कि वे कोविड हॉटस्पॉट के 100 फीसदी सैंपलों को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजें ताकि ओमिक्रॉन वैरिएंट का तुरंत पता लगाया जा सके।

मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय रिव्यू मीटिंग हुई। इस दौरान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे कोविड हॉटस्पॉट इलाकों के 100 फीसदी सैंपलों को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए मान्यता प्राप्त INSACOG लैब में भेजें। इससे पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए सिर्फ पांच फीसदी नमूनों को ही जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा जा रहा था।

केंद्र ने यह भी रेखांकित किया कि ऐसा नहीं है कि सार्स-सीओवी-2 का ओमिक्रॉन स्वरूप आरटी-पीसीआर और आरएटी जांच की पकड़ में नहीं आता। हॉटस्पॉट वह स्थान होता है जहां अधिक संख्या में कोविड-19 के मामले सामने आते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को संसद में कहा कि अभी तक देश में कोरोना वायरस के नये स्वरूप ओमिक्रॉन का कोई मामला सामने नहीं आया है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है कि यह देश में नहीं पहुंचे।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक दिसंबर से लागू होने वाले नए दिशा-निर्देशों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत में अभी तक कोई मामला नहीं

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि भारत में ओमिक्रॉन का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित करने के उपाय किए हैं कि यह देश में न पहुंचे। मंत्री ने कहा, ओमिक्रॉन संस्करण अब 14 देशों में पाया गया है। यहां इसका अध्ययन किया जा रहा है, हालांकि भारत में इसकी रिपोर्ट नहीं की गई है।

धान खरीदी केंद्रों में पहुंचे मुख्य सचिव, तौल-कांटे की पूजा, किसानों को माला पहनाकर किया स्वागत

- **प्रदेश के 2399 खरीदी केंद्रों में शुरू हुई धान खरीदी**
- **22 लाख 66 हजार किसानों ने कराया है पंजीयन**

रायपुर। छग में बुधवार से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरु हो गई है। धान खरीदी के पहले बुधवार सुबह मुख्य सचिव अमिताभ जैन रायपुर जिले के जरोदा और बंगोली केंद्रों पर पहुंचे। धान की तुलाई शुरू करने से पहले मुख्य सचिव ने तोल कांटे की पूजा की। नारियल फोड़ा और धान बेचने आए किसानों का माला पहनाकर स्वागत किया। प्रदेश सरकार ने राज्य भर में 2399 केंद्रों पर धान खरीदी की शुरुआत की है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने 22 लाख 66 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। यह खरीदी 31 जनवरी 2022 तक चलेगी। भूपेश सरकार ने 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। अच्छी किस्म के धान के लिए समर्थन मूल्य की दर 1940 रुपए प्रति क्विंटल और ग्रेड ए धान के लिए 1960 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है। इसका भुगतान ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिये किसानों के बैंक खाते में किया जाएगा।

अधिकारियों को जांच का जिम्मा : सरकार ने धान खरीदी व्यवस्था के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एक-एक दाना धान खरीदेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के धान के रकबे में वृद्धि के साथ ही पंजीकृत किसानों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। अब तक इस खरीफ वर्ष में 22.66 लाख किसानों ने पंजीकरण किया है। सरकार की कोशिश है कि किसानों से एक-एक दाना धान खरीदा जाए, जिससे लक्ष्य की पूर्ति हो।

डिमांड के अनुसार बारदाना आपूर्ति नहीं

बारदाने को लेकर कहा कि पिछले साल कोरोना संकट होने की वजह से लॉकडाउन और फैक्ट्रियां बंद थी, जिसके कारण बारदाना आपूर्ति नहीं होना समझ आता है, लेकिन इस वर्ष जूट कमिश्नर कोलकाता से डिमांड के अनुसार बारदाना नहीं मिलना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि 5 लाख गठान की मांग की गई है, लेकिन अब तक आपूर्ति नहीं हो पाया है। सीधे तौर पर केंद्र सरकार पर बारदाना नहीं देने और परेशान करने का आरोप लगाया। केंद्र द्वारा समय पर आपूर्ति नहीं करवाए जाने के कारण प्रदेश के किसानों को स्वयं के बारदाने का उपयोग करने कहा है ताकि उन्हें कोई दिक्कत ना हो। साथ ही उन्होंने कहा कि किसानों के द्वारा लाए जा रहे बारदाने का दर भी बढ़ाए जाने का निर्णय जल्द ही लिया जाएगा। जिससे किसानों को बारदाने में पिछले वर्ष की तरह नुकसान ना हो।

सिंघु बार्डर पर बुलाई गई बैठक रद्द

- **40 संगठनों की बैठक बुलाई गई थी, फूट के संकेत**

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर आज होने वाली 40 किसान संगठनों की बैठक रद्द हो गई है। इस बैठक में एमएसपी कमेटी और कृषि कानूनों की वापसी के बाद आंदोलन के भविष्य को लेकर चर्चा होनी थी। यह बैठक ऐसे समय में रद्द हुई है, जब किसान आंदोलन में फूट की खबरें भी आ रही हैं। माना जा रहा है कि पंजाब के अधिकतर किसान अब आंदोलन को खत्म करने के पक्ष में हैं। हालांकि, इस बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने एक बार फिर से दोहराया है कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। इसके अलावा अब 4 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक भी होनी है। बता दें कि संसद में सोमवार को कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने संबंधी विधेयक को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कांग्रेस बंगाल में लड़ सकती है तो फिर टीएमसी गोवा में क्यों नहीं : ममता बनर्जी

मुंबई। देश भर में कांग्रेस को झटका देने के आरोपों पर ममता बनर्जी ने करारा जवाब दिया है। बुधवार को उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस पार्टी बंगाल में चुनाव लड़ सकती है तो फिर टीएमसी गोवा में क्यों नहीं लड़ सकती। त्रिपुरा के निकाय चुनावों में उतरने के बाद ममता बनर्जी अब गोवा विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। ममता बनर्जी ने मुंबई में सिविल सोसायटी की मीटिंग में कहा, 'मैं भाजपा को राजनीतिक तौर पर इस देश से बाहर देखना चाहती हूं। यदि कांग्रेस बंगाल में लड़ सकती है तो फिर मैं गोवा में क्यों नहीं लड़ सकती?' बंगाल की सीएम ने कहा कि आपको भाजपा के खिलाफ मैदान में रहना होगा और लड़ना होगा वरना वह आपको बाहर फेंक देगी।

ममता बनर्जी ने भाजपा के खिलाफ सभी क्षेत्रीय दलों से एक होने की अपील करते हुए कहा, 'यदि सभी क्षेत्रीय दल साथ आ जाते हैं तो फिर भाजपा को हराना आसान होगा। मुझे बंगाल से बाहर निकलना होगा। यदि बंगाल में अच्छा काम हो रहा है तो फिर दूसरे राज्यों में क्यों नहीं होना चाहिए।' फिलहाल ममता बनर्जी महाराष्ट्र में हैं, जहां वह आदित्य ठाकरे, संजय राउत के बाद एनसीपी के मुखिया शरद पवार से मुलाकात करने वाली हैं। भाजपा की केंद्र सरकार की ओर से कृषि कानूनों को वापस लेने और डीजल एवं पेट्रोल की कीमतें कम किए जाने को ममता बनर्जी ने चुनावी स्टंट करार दिया।

ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव नजदीक आने पर पीएम नरेंद्र मोदी डर गए हैं। इसलिए उन्होंने पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी की है, जबकि इससे पहले लगातार बढ़ रहे थे। इसी तरह उन्होंने कृषि कानूनों को भी वापस ले लिया है।

अयोध्या सूर्यवंश की राजधानी, प्रभु श्रीराम और धर्म अलग-अलग नहीं हो सकते : योगी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या में महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाले लोगों को जमकर कोसा। योगी ने कहा कि प्रभु श्री राम ने न कभी अन्याय किए और न अन्याय सहे, अर्थात हम अधर्म नहीं करेंगे और अधर्म नहीं सहेंगे। अयोध्या सूर्यवंश की राजधानी है। अयोध्या जी में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम ने सम्पूर्ण मानवता के लिए एक अप्रतिम आदर्श स्थापित किया। कौन ऐसा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रदेश के कर्मचारियों को बकाए वेतन की चौथी किश्त मिलेगी

रायपुर। प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर है। कर्मचारियों को बहुत जल्द बकाए वेतन का भुगतान होने जा रहा है। इस संबंध में राज्य सरकार ने बकाया वेतन की चौथी किश्त की राशि जारी करने का आदेश बुधवार शाम को जारी कर दिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक राज्य के कर्मचारियों के लिए एक जनवरी 2016 से छत्तीसगढ़ वेतन रिवीजन नियम- 2017 लागू किया गया है। इसके तहत रिवाइज वेतन का एक जुलाई 2017 से नियमित भुगतान किया जा रहा है। एक जनवरी 2016 से 30 जून 2017 तक 18 महीने के बकाया वेतन का भुगतान छह समान वार्षिक किश्तों में करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया था। अब तक बकाया वेतन के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत में 15 दिसंबर से शुरू नहीं होंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 दिसंबर से शुरू करने के फैसले को टाल दिया गया है। दरअसल, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह इस बारे में अभी मंथन कर रहा है और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवाओं को वापस शुरू करने पर फैसला लेगा। डीजीसीए ने कहा कि वह कोरोनावायरस के नए वैरिएंट के उभार को देखते हुए स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। फिलहाल 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं होंगी। आगे की तारीख पर हालात के मुताबिक फैसला लिया जाएगा। इससे पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि कर्मिशियल अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाओं को 15 दिसंबर से फिर से शुरू करने के मामले में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य-परिवार कल्याण मंत्रालय के परामर्श किया गया था।

पूरे शीत सत्र धरने पर बैठेंगे निलंबित सांसद

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रदर्शन के दौरान किसानों की मौत के मामले को उठाया। सत्र के शुरू होने के बाद हंगामा इतना ज्यादा हुआ कि सभापति को सत्र स्थगित करना पड़ा। लेकिन इस दिन संसद के अंदर ही सिर्फ हंगामा नहीं हुआ बल्कि संसद परिसर में भी विपक्षी सांसदों ने जमकर प्रदर्शन किया। अपनी निलंबन वापसी की मांग को लेकर यह सभी राज्यसभा सासंद संसद परिसर में ही बने महात्मा गांधी की मूर्ति के नीचे धरना प्रदर्शन पर बैठ गए।

राहुल गांधी ने भी किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

सत्र खत्म होने तक धरने पर बैठेंग सांसद: तृणमूल कांग्रेस की निलंबित राज्यसभा सांसद डोला सेन और शांता चेत्री के अलावा बुधवार को अन्य सभी निलंबित सांसद संसद परिसर में अपने निलंबन के खिलाफ धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। सूत्रों के मुताबिक दोनों सांसद सत्र के दौरान हर रोज सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक धरने पर बैठेंगी।

सेंट्रल विस्टा : दिल्ली सरकार ने निर्माण कार्य जारी रहने पर भेजे नोटिस

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण को लेकर आज सीपीडब्ल्यूडी को दो नोटिस जारी किया है। यह दोनों नोटिस प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने के लिए भेजा गया है जिसकी जानकारी दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दी है। गोपाल राय ने बताया है कि, कई लोगों के मेरे पास फोन आ रहे थे सुबह से कि सेंट्रल विस्टा पर काम चल रहा है, इसलिए हमने यहां निरीक्षण किया है। उन्होंने आगे कहा कि, पूरी दिल्ली में निर्माण कार्य बंद होने के बावजूद यहां पर काम चल रहा है। पर्यावरण मंत्री ने कहा, इसे लेकर डीपीसीसी की तरफ से हम सीपीडब्ल्यूडी को नोटिस जारी कर रहे हैं कि वो एक्सप्लेन करें कि किसके आदेश से यह काम चल रहा है और किस आधार पर काम जारी रखा गया है। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने दूसरा नोटिस इसलिए दिया है क्योंकि काम जारी रहने पर भी डस्ट नॉर्म्स का उल्लंघन दिख रहा है। मुख्य सड़क पर तो पानी छिड़का जा रहा है, लेकिन लिंक रोड पर धूल जमी हुई है, इसलिए कुल दो नोटिस दे रहे हैं, इन्हें कल तक जवाब देना होगा।

पंजाब में बन सकता है नया गठबंधन

- **कांग्रेस और आप को रोकने के लिए साथ आ सकते हैं कैप्टन और सुखबीर**

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस और आप के खिलाफ शिरोमणि अकाली दल बादल, भाजपा, कैप्टन और बसपा का साझा गठबंधन दिसंबर के अंत तक हो सकता है। यह चारों राजनीतिक दल एकजुट होकर कांग्रेस एवं आप के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आ सकते हैं। जल्द ही पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी को मंजूरी मिल जाएगी और वह अपनी नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा के साथ गठबंधन कर देंगे। इसके बाद कैप्टन की चुनावी रणनीति के अनुसार भाजपा से नाता तोड़ चुके अकाली दल को फिर से भाजपा के साथ जोड़ा जाएगा। बसपा पहले से अकाली दल के साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुपर्व के मौके पर कृषि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

विवाद... ओमिक्रॉन के बावजूद साउथ अफ्रीका दौरा जारी रखना चाहता है बोर्ड

खिलाड़ियों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा बीसीसीआई!

मुंबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज समाप्त होने के ठीक बाद भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाना है। वहां टीम को तीनों फॉर्मेट में मेजबान साउथ अफ्रीका के साथ सीरीज खेलनी है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से साउथ अफ्रीका में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण संक्रमण के नए मामलों में तेजी आई है। इस कारण आईसीसी ने बराबर में मौजूद दूसरे देश जिंबाब्वे में चल रहे महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर को बीच में ही रद्द कर दिया। उधर, साउथ अफ्रीका में ही खेल रही नीदरलैंड्स की क्रिकेट टीम ने भी अपनी लिमिटेड ओवर सीरीज को बीच में ही छोड़कर घर वापस लौटने का फैसला किया। इसके बावजूद खबर आ रही है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसी महीने होने वाले दौरे पर टीम को भेजना चाहता है। बोर्ड ने फिलहाल साउथ अफ्रीका में ही खेल रही इंडिया-ए की टीम को भी वापस नहीं बुलाया है। भारत-ए और साउथ अफ्रीका-ए के बीच दो अनऑफिशियल टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है।

सरकार की बात मानेंगे, लेकिन अभी दौरा जारी है

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि अगर सरकार की ओर से दौरे को लेकर कोई दिशा-निर्देश आता है तो उसका पालन करेंगे। हालांकि अभी तक जो स्थिति है, उसके हिसाब से भारतीय टीम के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

साउथ अफ्रीका दौरे पर मुंबई टेस्ट के बाद करेंगे विचार

गांगुली ने कहा कि दौरे को लेकर आखिरी फैसला करने से पहले अभी हमारे पास काफी समय है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 दिसंबर से मुंबई में सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेलना है। साउथ अफ्रीका के साथ पहला टेस्ट मैच 17 दिसंबर से होना है यानी हमारे पास अभी इस बारे में विचार करने के लिए काफी समय है।

कुछ अनहोनी नहीं हुई तो दौरा जारी रहना तय

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच 7 दिसंबर को समाप्त होना है। इसके एक-दो दिन बाद भारतीय टीम को चार्टर्ड प्लेन से जोहानिसबर्ग के लिए रवाना होना है। बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले कोई अनहोनी नहीं होती है तो भारतीय टीम का साउथ अफ्रीका जाना लगभग तय है। दौरा तभी रद्द या स्थगित होगा, जब सरकार बोर्ड को वहां टीम भेजने से साफ-साफ मना कर देती है।

कर्नाटक में कांग्रेस को झटका देने की तैयारी में भाजपा!

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेडीएस के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के बीच संसद भवन में हुई मुलाकात के बाद कर्नाटक में आगामी विधान परिषद चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी और जेडीएस के बीच समझौता होने की अटकलें तेज हो गई हैं। भाजपा नेताओं ने मंगलवार को हुई इस मुलाकात की तस्वीरें जमकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर साझा कीं। कर्नाटक विधान परिषद के 20 स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों की 25 सीटों पर 10 दिसंबर को द्विवार्षिक चुनाव के लिये मतदान होगा।

मोदी और देवेगौड़ा की मुलाकात से अटकलें तेज

न्यूज गैलरी

यूनिवर्सिटी में स्वर्गीय श्री हेमचंद यादव की मनाई गई जंयती

दुर्ग (नव प्रदेश)। स्वर्गीय हेमचंद यादव की सादगी एवं शालीनता युवा पीढ़ी हेतु अनुकरणीय है। यह उद्गार विश्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने व्यक्त किये। डॉ. पल्टा हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग में स्वर्गीय हेमचंद यादव की जंयती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्गार व्यक्त कर रही थीं। डॉ. पल्टा ने श्री यादव ी के योगदान का स्मरण करते हुए उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित कीं। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने स्वर्गीय हेमचंद यादव के छत्तीसगढ़ के विकास यात्रा में योगदान को रेखांकित किया। डॉ. श्रीवास्तव ने श्री यादव के जीवन से जुड़े अनेक पहलूओं का भी उल्लेख किया। कुलसचिव, डॉ. सीएल देवांगन ने स्वर्गीय हेमचंद यादव को एक अच्छा व्यक्ति, विचारक एवं मूल्य आधारित सिद्धातों का उपासक बताया। विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्ययक, डॉ. आरपी अग्रवाल ने स्वर्गीय हेमचंद के जीवन से जुड़े कई प्रेरणास्पद प्रसंगों का उल्लेख किया। इस अवसर पर उप कुलसचिव डॉ. राजमणि पटेल, सहायक कुलसचिव डॉ. सुमीत अग्रवाल, हिमांशु शेखर मंडावी, एआर चैरे, एनएसएस समन्वयक, डॉ. आरपी अग्रवाल, खेल संचालक, डॉ. ललित प्रसाद वर्मा एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। एनएसएस समन्वयक डॉ. आरपी अग्रवाल नें धन्यवाद ज्ञापन किया।

अब नगर के नालों की तीन बार होगी सफाई

दुर्ग (नव प्रदेश)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 को देखते हुए आयुक्त हरेश मंडावी ने इस साल 3 बार सफाई करने का प्लान अधिकारी और कर्मचारियों के साथ बनाई है। अभी से शुरुवात शंकर नगर नाला से मालवीय नगर नाला की एक किलोमीटर से अधिक लंबी नाला सफाई कार्य चैन माउंटेन मशीन और परमेश्वर की गैंग कराया लगाकर सफाई अभियान अभी से शुरू करवा दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान, जावेद अली, शेखर वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक, सफाई सुपरवाईजर और कर्मचारी मौजूद थे। आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा कि मालवीय नगर से होकर शंकर नाला तक आने वाली इस नाला समेत अन्य नालाओ की सफाई तल से मलमा निकालकर हो रहा है सफाई और किनारे-किनारे से मिट्टी मलमा निकालकर झाड़ियों की सफाई की भी सफाई शुरू कर दी गई है। उन्होनें कहा नाला में जहॉ भी जलभराव की स्थिति निर्मित होती है उन्होंने कहा नाला की सफाई चैन माउंटेन से पूरी चौड़ाई से साथ करें ताकि बारिश के दौरान क्षेत्र में पानी भरने की समस्या न हो।

आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित कर कहा कि गैंग लगाकर नाला की नियमित सफाई करवायें। उन्होंने शहर के शंकर नाला में की जा रही सफाई कार्य की सराहना करते हुये कहा निगम के सफाई कर्मचारी बहुत ही मेहनत से नालों की सफाई कर रहे हैं।

आयुक्त ने नागरिकों से अपील है कि नाला और नालियों में घरों और दुकानों का कचरा ना डालें। नालियों में जल निकासी निरंतर बना रहे इसका ध्यान अवश्य रखें। ऐसा करते पाए जाने पर जुर्माना की कार्रवाही की जाएगी।

धान खरीदी के पहले दिन अपूर्व उत्साह, पूजा-अर्चना कर शुरू हुई धान खरीदी

कलेक्टर भी पहुंचे कुथरेल धान खरीदी केंद्र, देखी खरीदी की व्यवस्था

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। धान खरीदी के पहले दिन किसानों में काफी उत्साह नजर आया। उत्साह से भरे किसानों के धान का क्रय कर खरीदी का श्री गणेश किया गया। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे भी धान खरीदी केंद्र कुथरेल पहुंचे। जिस समय कलेक्टर धान खरीदी केंद्र पहुंचे, उसी समय पहले किसान से खरीदी का शुभारंभ होने वाला था। किसानों के लिए इस शुभ दिन को मनाने की तैयारियां केंद्र में की गई थीं। मिठाइयां, नारियल और फूल रखे गये थे। कलेक्टर एवं सभी किसानों ने विधिवत धान खरीदी की शुरूआत की। खरीदी केंद्र में पहुंचे पहले किसान से कलेक्टर ने बातचीत की। किसान ने बताया कि उसने टोकन पहले ही प्राप्त कर लिया था। आज सौभाग्य से पहले ही क्रम में नाम आ गया। बहुत

अच्छी खरीदी की व्यवस्था रही है। उसने बताया कि घर में खाने के लिए अनाज रखकर शेष अनाज बेचने यहां खरीदी केंद्र में लाये हैं। कलेक्टर ने खरीदी केंद्र में बारदाने की व्यवस्था की जानकारी ली। समिति प्रबंधकों ने बताया कि बारदानों का प्रबंध किया गया है। खरीदी केंद्र में खरीदी का जैसे पिछले बरसों में चलन रहा है, उसी के अनुरूप व्यवस्था की गई है। किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। किसानों ने बातचीत में बताया कि हर साल इस खरीदी केंद्र में आते हैं और यहां पर अच्छी व्यवस्था रहती है। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक से कहा कि किसानों की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखें। सीमांत एवं छोटे किसानों का विशेष रूप से ख्याल रखें। हर दिन जिस तरह से अनुमानित खरीदी होनी है, उसके मुताबिक व्यवस्था करें, यदि किसी तरह की दिक्कत आती है तो नोडल अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर समस्या का समाधान करें। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस संबंध में किसी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र में आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। उन्होंने आर्द्रतामापी, नापतौल, कांटाबार आदि देखे। समिति द्वारा मेंटेंन किये जाने वाले रजिस्टर भी उन्होंने देखे। इस मौके पर खाद्य नियंत्रक सीपी दीपांकर भी उपस्थित थे। उन्होंने पूरे जिले के आंकड़ों के संबंध में कलेक्टर को बताया। उन्होंने बताया कि पहले दिन के लिए 73 हजार टोकन जारी किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने सभी धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित रखने तथा समय पर धान खरीदी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम उठाने एवं इसकी निरंतर मानिटरिंग के निर्देश दिये हैं।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने निकाली विशाल रैली

दुर्ग (नव प्रदेश)। एड्स के खिलाफदुनिया भर में जागरूकता फैलने के इरादे से हर साल 1 दिसंबर को ''विश्व एड्स दिवस'' मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंभीर सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ. अनिल कुमार शुक्ला के निर्देशन में आज विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया और लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। विश्व एड्स दिवस में इस वर्ष का थीम ''असमानताओं का अंत करें'', ''एड्स का अंत करें'', ''महामारी अंत करें'', है। अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन भी किया गया था, जिसमें लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। नर्सिंग छात्राओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक कर एच.आई.व्ही./एड्स के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इसके साथ-साथ प्रतिभागियों द्वारा विशाल मानव रेड रिबन से मानव श्रृंखला बनाकर जन-जन तक जागरूकता संदेश दिया गया।

सामान्य घटनाएं भी उच्च स्तरीय शोध का आधार : डॉ. पाठक

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के गणित विभाग में गणित परिषद का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारती विष्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ. एचके पाठक ने 'संस्कृति और गणित' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि जिस क्षेत्र का गणित जितना उच्च होता है उस क्षेत्र की संस्कृति भी उतनी ही उत्कृष्ट होती है। प्राचीन भारत में ज्यामिति गणित अपने उच्च स्तर पर था जिसका प्रमाण देषभर में फैली उच्चकोटि की इमारतें हैं। विश्व प्रसिध्द शोध पत्रिकाओं में 300 से अधिक शोध पत्रों और विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पुस्तकों के लेखक डॉ. पाठक ने विद्यार्थियों को शोध के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारतीय गणितज्ञों की तलाष उन्हें आज भी है। परिषद प्रभारी डॉ. प्राची सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की पढ़ाई के अतिरिक्त छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए इस परिषद का गठन किया जाता है, जिसमें वर्ष पर्यन्त विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की शैक्षणेत्तर गतिविधियों में शामिल होते हैं। इसी क्रम में पहले कार्यक्रम के तहत तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत विभिन्न प्रतियोगिताऐं जैसे रंगोली, सलाद सज्जा, एकल गायन आयोजित करके किया। गणित परिषद का उद्घाटन कीमिका और सार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना और अमीषा और साथियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान से प्रारंभ हुआ। अतिथियों का स्वागत भारतीय परंपरानुसार कुमकुम टीका और श्रीफल भेंटकर किया गया। परिषद के संरक्षक की आसंदी से बोलते हुए संस्था के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपके सामने डॉ. पाठक जैसा एक आदर्ष प्रस्तुत हैं। आपका पथ प्रदर्षक आपके सामने है उनका लाभ उठाकर आप हर सफ्लता प्राप्त कर सकते है। विभागाध्यक्ष डॉ. एमए सिद्दीकी ने बताया कि यद्यपि डॉ. पाठक का नाम उच्च स्तरीय शोध कार्यों के लिये विश्व स्तर पर जाना जाता है तथापि विद्यार्थियों का एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो पाठक सर के इस विद्वता के अलावा उनके द्वारा सरल एवं प्रचलित शब्दों में लिखित गणित की पुस्तकों की एक विषाल श्रृंखला से लाभांवित होकर अपने कैरियर को संवार रहा है। उल्लेखनीय है कि पाठक सर की गणित में लिखित किताबें बीएससी प्रथम वर्ष से एमएससी तक के विद्यार्थियों हेतु समस्त प्रश्न प्रत्रों का एक नायाब खजाना है।

निर्वाचन व्यय संपरीक्षक प्रशिक्षण

दुर्ग (नव प्रदेश)। आज कलेक्ट्रेट सभागृह में जिले के 171 वार्ड के लिए गठित व्यय संपरीक्षक दल के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। जिसमें श्री के एल भारती ने उपस्थित सदस्यों को निर्वाचन में संपरीक्षक विषय पर दिशा निर्देश एवं प्रशिक्षण दिया। निर्वाचन व्यय पर बारीकी से निगरानी रखने के लिए आयोग द्वारा निर्वाचन व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्रत्येक निकाय में निर्वाचन व्यय संपरीक्षक की नियुक्ति भी की गई है। प्रत्येक निकाय में व्यय संपरीक्षक की नियुक्ति उस निकाय के आकार अर्थात उसमे स्थित वार्डो के आधार पर की गई है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक दानग्रहिता मो. फैज उल्लाह कुरैशी आ. मो. सफा उल्ला कुरैशी जाति मुसलमान निवासी तलवार भवन के पास सुभाष नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग को दानदाता मो. सैफ उल्लाह कुरैशी आ. मो. सफा उल्लाह कुरैशी निवासी तलवार भवन के पास सुभाष नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग से मौजा साकिन खपरी प.ह.न. 26 रा.नि.मं. दुर्ग-1 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 204/1 रकबा 0.020 हे. 204.46 वर्गमीटर भूमि को दान स्वरूप प्राप्त किया है। जिसे अपने नाम पर नामांतरण करवाना चाहता है। जिसका प्रमाणिकरण हेतु आवेदन इस न्यायालय में पेश किया है। जो इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

अतः इस सबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15.12.2021 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार पिता स्व. जूठू राम निवासी ग्राम बघेरा तह. व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम बघेरा प.ह.नं. 48 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 342 रकबा 0.0110 हे. भूमि आवेदक एवं शामिलात खाते में दर्ज है। उक्त भूमि 1. दूरदेशी राम साहू को 450 वर्गफीट, परसादी राम साहू को 300 वर्गफीट एवं पवन कुमार को 450 वर्गफीट खाता विभाजन करना चाहते है तथा अलग अलग ऋणपुस्तिका प्राप्त करना चाहते है। जिसे अवेदक आपसी सहमती के आधार पर बटवारा हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदन के साथ बी-1 की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

डॉ प्रभा पचौरी अति. मो. दु. दावा अधिकरण दुर्ग (छ.ग.)

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स

(व्यवहार प्रक्रिया सहित आदेश5 नियम 1 और5)

वाद क्र. 2232/21 सन् 2021

न्यायालय श्रीमान प्रथम अति. मो. दु. दावा. अधिकरण दुर्ग (छ.ग.)

आवेदक श्रीमती प्रमीला यादव

अनादेवक टिकेश यादव 9 अन्य

बनाम-1. टिकेश यादव आ. मग्गुलाल यादव उम्र 33 वर्ष 2. श्रीमती वर्षा यादव ध.प. टिकेश यादव निवासी गयानगर रंगनाथ पटेल के धर गयाबाई स्कूल के पीछे गयानगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

क्योंकि वादी/आवेदक ने आपके विरूद्ध धारा 166 मो. या. अधि. वास्ते क्षतिपूर्ति बाबत का वाद प्रस्तुत किया है, आपकों इस समेश द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 03 माह 01 सन् 2022 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी लीडर अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दें सके। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो अपके अभिरक्षा या शक्तियों में है। पेश करें जिन पर अपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपावन की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बताई गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। आज दिनांक 27/11/21 का न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — डॉ. प्रज्ञा पचौरी, अति. मो. दु. दावा अधिकारण, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र- 20211103800003//अ-20(3)/ वर्ष 2021 -22

आवेदक मो. यासीन चौहान आ. स्व. मो. इब्राहिम निवासी केलाबाड़ी दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि माननीय न्यायालय तृतीया अति. जिला न्यायाधीश दुर्ग द्वारा व्य वाद क्र. 09 ए/2012 में पारित डिकी एवं निर्णय दिनांक 11.10.12 अनुसार दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 30 सी प्लाट नं. 17 रकबा 56 वर्गमीटर भूमि प्रतिवाद क्र. 07 अर्थाम आवेदक मो. सासीन चौहान आ. महरूम मा. इब्राहिम को प्राप्त होना घोषित किया है। माननीय न्यायालय में निर्णय उपरांत पूर्व में नामान्तरण प्र.क्र. 16 अ 20-3 वर्ष 2012-13 पंजीबद्ध किया गया था। किन्तु नाम दर्ज होना छूट गया है। आवेदक द्वारा माननीय व्यवहार न्यायालय के निर्णय के आधार पर उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड में आवेदक का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकारण न्यायालय में विचाधीन है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 08/12/21 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नजूल अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020 -21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हितेश कुमार मिस्त्री पिता/पति हरी भाई मिस्त्री निवासी गुरूनानक नगर तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भुमि ग्राम खपरी प.ह.नं. 11 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 28/41 रकबा कुल 0.010 हे. में से 900 वर्गफीट भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता लीना साठे पति संदीप साठे के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 13.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र. अ-2/2020/21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अविनाश ट्विन सिटी प्रा.लि. डायरेक्टर श्री आनन्द सिंघानिया आ. स्व. श्री संतोष सिंघानिया निवासी अविनाश हाउस मारूती बिजनेस पार्क, जी. ई. रोड रायपुर के क्षरा ग्राम/शहर कुम्हारी प.ह.न. 53 में तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 15007, 1177, 1179 रकबा 18.120, 0.105, 0.417 कुल खसरा 03 कुल रकबा 18.622 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 20211110100152/20211110100152

विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019 (हे.)

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - श्रीमती कमलेश राघव / अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कमलेश राघव पति कृष्णपाल सिंह राघव पता से.5 भिलाई जिला दुर्ग, द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. अ, रा.नि.मं. कोहका, मह. व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न 6153/6 रकबा 1950 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता- अजय बरडे पिता अजय चुडामन बरडे अन्य 1 निवासी शांति नगर भिलाई से क्रय किया गया है कि नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 14.12.2021 तक या उसकेपूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 20211110100142/20211110100142

विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019 (हे.)

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - आई राजेश्वर राव / अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आई. राजेश्वर राव पिता स्व. आई. अप्पाराव निवासी से.4 भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 19 रा.नि.मं. कोहका, मह. व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न 1052 रकबा 0.0400 हे. भूमि आई केदार राव, आई राजेश्वर राव, चन्द्रवती, वाई, कृष्णामूर्ति सभी पिता स्व. आई. अप्पाराव के नाम पर शामिलात खाते में दर्ज है। जिससे भूमिस्वामी आई. केदार राव एवं चन्द्रवती दोनों पिता स्व. आई. अप्पाराव की मुत्यु दिनांक 30.08.18, 07.09.21 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर शेष खातेदारों का नाम राजस्व अभिलेख में यथावत रखे जाने एवं उसके वैध वारिसानों का नाम दर्ज किए जाने बाबत् फौती नामांतरण आवेदन पत्र मय खसरा बी-1 मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 15.12.2021 तक या उसकेपूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 20211110100137/20211110100137

विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

ढोर प.ह.न. 00017 (हे.)

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - श्रीमती सवली बाई साहू /अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सवली बाई साहू पिता/पति/विभाग स्व. दुलुराम साहू पता केम्प-1 भिलाई द्वारा ग्राम ढोर प.ह.नं. 17, रा.नि.मं. जामुल तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न 1904/5 रकबा 0.025 हे. वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता श्री राजेन्द्र कुमार/ बाबूलाल साव से क्रय किया गया है कि नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 14.12.2021 तक या उसकेपूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हरिश चंद्र आ./पति दुलभ साकिन जोरातराई के द्वारा ग्राम डुण्डेरा प.ह.न 57 रा.नि.मं. उतई तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 402/1 रकबा 3267 हे. भूमि मयाराम पिता स्व. हेमराम से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 3/11/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणिकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायाालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 7.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020 -21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नेहा बाजपेई पिता/पति निशांत बाजपेई निवासी गुरूनानक नगर तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भुमि ग्राम खपरी प.ह.नं. 11 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 28/41 रकबा कुल 0.010 हे. में से 750 वर्गफीट भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता लीना साठे पति संदीप साठे के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 13.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अति. तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020 -21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पूनम धृतलहरे पति मनोहर दार होडर निवासी से. 6 भिलाई तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भुमि ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 53 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 129/8 रकबा कुल 0.040 हे. में से 0.014 हे. भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता जुगल किशोर तिवारी पिता स्व. गणेश कुमार तिवारी के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 10.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 23.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अति. तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.//अ-06/ वर्ष 2020 -21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रोशनी सोनी पति खुरेश सोनी निवासी राजीव नगर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भुमि ग्राम मोहलई प.ह.नं. 06 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 581/20 रकबा कुल 0.010 हे. में से 0.014 हे. भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता मीनाक्षी सोनी पिता/पति राजेश सोनी के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो दिनांक 16.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 29.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400281

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक जैनूल आबदीन आ. बहाबुद्धीन निवासी फरीद नगर सुपेला भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 273/50, 274/47, 273/51, 274/48 रकबा 0.0140, 0.0140 हे. वर्गफीट आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400257

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक आर्ची शर्मा आ. सुनील कुमार शर्मा निवासी न्यू खुर्सीपार भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम धनोरा प.ह.न. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 600/50 रकबा 0.0100 हे. 1125 वर्गफीट आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: तिलका टेकाम — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202111100400300, अ/2, 2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती तिलका टेकार पति श्री महेन्द्र कुमार टेकाम निवासी आदित्य नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम बघेरा प.ह.न. 7अ तह. व जिला दुर्ग	265/26	0.028 हें 3000 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: श्री दुष्यंत कुमार दाउ — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202111100400301, अ/2, 2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री दुष्यंत कुमार दाउ आ. श्री किरण सिंह दाउ निवासी सिंधिया नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम बघेरा प.ह.न. 7अ तह. व जिला दुर्ग	268/10	0.019 हें 2100 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम: श्रीमती नसीम सुल्ताना — ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202111100400317, अ/2, 2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती नसीम सुल्ताना पति स्व. आसिफ अली निवासी गुजराती धर्मशाला के पीछे तकियापारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह. व जिला दुर्ग	253/3	0.018 हें 2000 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 26.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग -1 (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रेवती बाई आ./पति दुलभ नायक साकिन जोरातराई के द्वारा ग्राम डुण्डेरा प.ह.न 57 रा.नि.मं. उतई तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 402/1 रकबा 1089 हे. भूमि मयाराम पिता स्व. हेमराम से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 3/11/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणिकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायाालय में प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 7.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रंजु पंडलकर पति रत्नाकर राव पंडलकर निवासी ग्राम कुंदरापारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 88/196 रकबा 0.011 वर्गफीट भूमि को विक्रेता गजेन्द्र सिंह ठाकुर पिता मंजन सिंह ठाकुर निवासी ग्राम तालपुरी भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 15.11.2021 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400198

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक हिमांशू द्विवेदी आ. स्व. रामायण प्रसाद द्विवेदी निवासी शिक्षक नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 299/424 हे. 1350 वर्गफीट आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कलिंगा विवि में बिजनेस प्लान प्रतियोगिता ''आईडिएथान'' का आयोजन संपन्न

■ **सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों ने जीती एक लाख से ज्यादा की नकद राशि.....**

रायपुर/नवप्रदेश। कलिंगा विश्वविद्यालय मध्य भारत का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। यहाँ पर वैश्विक मापदंड के अनुरूप विद्यार्थियों में नयी खोज को विकसित करने के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं शोधपरक शिक्षा प्रदान किया जाता है। इसी तारतम्य में विश्वविद्यालय के इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेल के द्वारा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और अपने नॉलेज पार्टनरों के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए खुली स्पर्धा ''आईडिएथान'' बिजनेस प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें सर्वोत्तम बिजनेस प्लान देने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में कलिंगा विश्वविद्यालय के द्वारा प्रमाण पत्र के साथ एक लाख दस हजार रुपए की नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। विदित हो कि कलिंगा विश्वविद्यालय के इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेल के द्वारा आयोजित बिजनेस प्लान प्रतियोगिता ''आईडिएथान'' एक खुली प्रतियोगिता थी। जिसे दो वर्गों में बांटा गया था। प्रथम ए वर्ग में नवमी से बारहवीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थी और दूसरे बी वर्ग में महाविद्यालयीन एवं शोधछात्रों ने एकल और समूह के रुप में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें 90 से अधिक प्रतियोगी टीम सम्मिलित हुई।

कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने बताया कि - ''आज के बदलते परिवेश में शिक्षा के स्तर में नित नए बदलाव की जरुरत है।शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो ज्ञान और कौशल से युक्त हो। जिसे प्राप्त करने के बाद बेहतर भविष्य के साथ जीवन में विनम्रता और नैतिक मूल्यों का सृजन हो और विद्यार्थी देश के अच्छे नागरिक बन सकें। कलिंगा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा एवं रोजगारपरक कौशल विकास प्रदान करते रहने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी को ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा इस वर्ष भी बिजनेस प्लान प्रतियोगिता

''आईडिएथान'' का आयोजन किया गया। जिसमें संपूर्ण भारतवर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।''

कलिंगा विश्वविद्यालय के इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेल की निदेशक डॉ. मोनिका सेठी शर्मा ने बताया कि- ''आईडिएथान'' बिजनेस प्लान प्रतियोगिता जायसवाल निको इंडस्ट्री लिमिटेड, एनेलेटिकल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, स्टील मिंट, गैलेक्सी-द कम्प्यूटर हब, सृष्टि नर्सरी लेंडस्केप एंड डिजाइन, राज बिल्डर्स एंड कांट्रेक्टर, कॉनसेप्ट एंड कंस्ट्रक्शन, एस एस राना फेब्रिकेशन, एकेजीएस एंड एसोसिएट, राजेश पब्लिसिटी, महेश इंडस्ट्री और केजीएंन अली के प्रायोजकत्व में आयोजित की गयी थी।''

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों में रोजगारपरक कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भी बिजनेस प्लान को सम्मिलित किया गया है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के द्वारा नए विचार सामने आते रहे हैं। नयी सोच के साथ उद्योगों को विकसित करने के लिए आवश्यक परिवेश, प्रवृत्ति के साथ-साथ बाजार की आवश्यक मांग और उत्पादन की जानकारी बहुत जरूरी है। जिससे विद्यार्थियों को नए स्टार्टअप के लिए मदद मिलेगी।पिछले दिनों विश्वविद्यालय के इनोवेशन और इनक्यूबेशन सेल के द्वारा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों,अनुभवी विचारकों और अपने नॉलेज पार्टनरों के संयुक्त तत्वावधान में विवि के विद्यार्थियों के लिए ''आईडिएथन'' बिजनेस प्लान आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। 15 अक्टूबर 2021 से इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु पंजीयन प्रारंभ हो गया था।जिसमें कई चरणों में प्रस्तुति के उपरांत 27 नवंबर 2021 को परिणाम घोषित किया गया एवं प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

उक्त पुरस्कार वितरण समारोह में ए वर्ग में प्रथम स्थान पर श्री शंकरा विद्यालय, भिलाई (छत्तीसगढ़) की ''कस्टमाइज्ड फ्रीलांसिंग प्लेटफार्म'' टीम के मो. आकिब खातिबी रहें। जबकि बी वर्ग में आईआईटी गुवाहाटी की ''डिजीटलबिलिंग'' टीम के कृष्ण खाकोलिया और शाश्वत मैथी प्रथम स्थान में रहें । दोनों वर्ग के विजेताओं को प्रमाणपत्र के साथ 25000 रुपये की नगद राशि प्रदान की गयी। द्वितीय स्थान पर ए वर्ग में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग, नोयडा की टीम ''एब्सोप्यूर'' के यशराज साहू और बी वर्ग में एसआईबीएम, पुणे की टीम मधुबनी मोटिफ्स की प्राची कर्ण के नाम की घोषणा की गयी। दोनों वर्ग के विजेताओं को प्रमाणपत्र के साथ 15000 रुपये की नगद राशि प्रदान की गयी।

■ न्यूज गैलरी

राज्यपाल को छग जूडो एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्या सुनाई

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में छत्तीसगढ़ जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की और उन्हें अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल ने उनकी समस्याओं पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि डॉक्टरों की पीजी काउंसिलिंग में करीब साल भर का विलंब हो रहा है, जिसके कारण बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। नये बैच नहीं आने से उन पर कार्य भार बढ़ गया है और पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी कम दी जा रही है, जिसे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। कोविड के दौरान जो विशेष भत्ता दिया जाना था वह अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। साथ ही बांडेड और नॉन बांडेड चिकित्सकों के वेतन में काफी अंतर है। प्रतिनिधिमण्डल ने यह अंतर समाप्त किये जाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. अमन अग्रवाल, डॉ. प्रेम चौधरी एवं डॉ. गौरव परिहार शामिल थे।

जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें : कलेक्टर

रायपुर/नवप्रदेश। जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आज यहां आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से रू-ब-रू होते हुए उनकी विभिन्न मांगों और शिकायतों को सुना तथा प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। आज के जनदर्शन में कुल 45 आवेदन प्राप्त हुआ। जनदर्शन में आज शहीद चंद्रशेखर वार्ड निवासी दिव्यांग गजेन्द्र साहू को तत्काल ईलेक्ट्रकिल ट्राईसायकल प्रदान किया। आरंग विकासखंड के ग्राम ओड़का के ग्रामीण बाबू लाल मारकण्डे, गोगांव की कल्याणी दुबे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान, ग्राम पंचायत मानिकचौरी के ग्रामीणों ने धान उपार्जन केन्द्र पहुंच मार्ग का डामरीकरण, ग्राम सलौनी की तोरण बाई जांगड़े ने वृद्धा पेंशन, आवास एवं निराश्रित पेंशन, तिल्दा विकासखंड के ग्राम खौना के सरपंच ने अवैध कब्जा हटाने, ग्राम अकोली के सुरेश दीवान ने आबादी जमीन की बिक्री पर रोक लगाने, हीरानगर के विजय लेंझारे ने सार्वजनिक रास्ता को अतिक्रमण से मुक्त करने, बिरगांव की सावित्री पाल ने विकलांगता पेंशन दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये।

बेलदार सिवनी को बनाया गया है नया धान केंद्र

रायपुर/नवप्रदेश। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धान उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से संचालित करने हेतु एवं कृषकों को होने वाली असुविधा को दूर करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के आदेश के माध्यम से रायपुर जिले के विकासखण्ड तिल्दा में नवीन धान उपार्जन केन्द्र, बेलदारसिवनी खोले जाने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देशानुसार उक्त उपार्जन केन्द्र प्रारंभ करने की आवश्यक तैयारियां कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि बेलदार सिवनी एवं आस-पास के कृषकों को धान विक्रय करने पहले नवागांव जाना पड़ता था जिससे उन्हें विगत कई वर्षों से असुविधा हो रही थी जिसे देखते हुए शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में नवीन उपार्जन केंद्र खोले जाने का निर्णय लिया है इससे कृषकों में हर्ष व्याप्त है।

धान खरीदी के कार्य को अधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक करें : कलेक्टर

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने धान खरीदी कार्य को प्राथमिकता देते हुए इससे जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कुशलतापूर्वक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने को कहा। उनहोंने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार की कोई व्यवधान ना हो तथा विक्रय के लिए आने वाले किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाएं। कलेक्टर ने सभी एस.डी.एम को निर्देशित किया कि धान खरीदी केंद्रों का आवश्यक रूप से विजिट करें। कलेक्टर ने अधिकारियों से लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जन चौपाल एवं लोक सेवा गारंटी के आवेदनों का प्रमुखता से निराकरण करने को कहा। उन्होंने नगरीय निकाय निर्वाचन बिरगांव एवं गोबरा-नवापारा में उप निर्वाचन की तैयारी एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने को कहा जिससे निर्वाचन कार्य उत्कृष्ट तरीके से संपन्न किया जा सकें। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से कोविड-19 की टेस्टिंग एवं टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने को कहा।

जरौदा और बंगोली धान उपार्जन केंद्र में पहुंचे अमिताभ जैन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज रायपुर जिले के धरसींवा विकासखंड के ग्राम जरौदा और तिल्दा विकासखंड के ग्राम बंगोली के धान उपार्जन केंद्र में पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधि गण, रायपुर कलेक्टर सौरभ कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। ज्ञात हो सरकार के समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केन्द्रों माध्यम से आज से खरीफ सीजन 2021-22 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन अब 15 दिसंबर तक

■ **एस सी, एस टी एवं ओ.बी.सी वर्ग के लिए**

रायपुर/नवप्रदेश। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के पंजीयन एवं संस्थाओं के प्रस्ताव, स्वीकृति लॉक करने हेतु विभाग द्वारा लंबित विद्यार्थियों हेतु वर्ष 2021-22 के लिए तिथि निर्धारित की दी गई है। इसके अनुसार विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) के लिए अंतिम तिथि 1 दिसंबर से बढ़ाकर 15 दिसंबर 2021 तक की गई है। इसी तरह ड्रॉफ्ट प्रपोजल लॉक करने की अंतिम तिथि अब 22 दिसंबर की जा सकती है। सेंक्शन ऑडर लॉक करने हेतु तिथि बढ़ाकर 27 दिसंबर तथा डिसबर्स (शासकीय/अशासकीय) हेतु तिथि 31 दिसंबर 2021 निर्धारित की गई है। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने रायपुर जिला अंतर्गत संचालित शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक आदि के संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जिन्हें विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण की पात्रता है।

रेल्वे, बैंकिंग और एसएससी स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कोचिंग

■ **आवेदन की अंतिम तिथि 6 दिसंबर तक**

रायपुर/नवप्रदेश। राजीव युवा उत्थान योजना अंतर्गत राज्य के रायपुर जिला मुख्यालय में स्थित परीक्षा पूर्व केन्द्र पर 100 सीट के लिए राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेल्वे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग, छत्तीसगढ़ व्यापम इत्यादि के माध्यम से ली जाने वाली परीक्षाओं के लिए कोचिंग सुविधा प्रदान की जाएगी। यह प्रशिक्षण वर्ष मे 6-6 माह के दो प्रशिक्षण सत्र में आयोजित किये जायेगे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि इस हेतु अभ्यर्थियो का चयन प्राक्रयन परीक्षा के माध्यम से होगा।

प्रथम 6 माह में प्राक्रयन परीक्षा मे चयनित व द्वितीय 6 माह मे प्रतीक्षा सूची के 100-100 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। विद्यार्थियों को 1 हजार रुपये माह शिष्यवृत्ति भी उपलब्ध कराया जाएगा। कोचिंग की यह सुविधा निःशुल्क होगी। इस प्रशिक्षण हेतु कुल स्वीकृत सीट 100 है, जिसमें अनुसूचित जाति के लिए 30, अनुसूचित जनजाति के लिए 50 और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 20 सीट आरक्षित है। इसके लिए वर्गवार 33 प्रतिशत् सीट महिलाओं के लिए सुरक्षित होगा।

अभ्यर्थियो का चयन प्राक्रयन परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। कोचिंग योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेल्वे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग, छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षा में शामिल होने हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होना चाहिए। विद्यार्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण-पत्र धारक होना चाहिए। पालक या अभिभावक की आय 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

इसके लिए पात्र विद्यार्थी 6 दिसंबर 2021 तक सभी अभिलेखों हाई स्कूल, हायर सेकेन्डरी प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आय, निवासी, जाति प्रमाण पत्र व आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ कार्यालयीन अवधि में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर (पुराना आयुक्त आदिम जाति कार्यालय) एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास रायपुर कलेक्टर परिसर कमरा नंबर 40 में संपर्क कर आवेदन प्राप्त अथवा जमा कर सकते हैं।

मेडिकल बायोकैमिस्ट्स की राष्ट्रीय कांफ्रेंस एंबीकॉन 2021 एम्स में तीन से

■ **राज्यपाल करेंगी उद्घाटन**

रायपुर/नवप्रदेश। एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफइंडिया की 28वीं राष्ट्रीय एंबीकॉन-2021 तीन से पांच दिसंबर के मध्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर के प्रमुख मेडिकल बायोकैमिस्ट्स बायोकैमेस्ट्री के क्षेत्र में आ रहे अत्याधुनिक बदलावों पर चर्चा करेंगे और इन्हें अपनाने के लिए आवश्यक संसाधनों के बारे में नए चिकित्सकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। एंबीकॉन-2021 का उद्घाटन राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके तीन दिसंबर को करेंगी।

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली एंबीकॉन-2021 इस वर्ष एम्स के बायोकैमेस्ट्री विभाग के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इसमें दुनियाभर के प्रमुख मेडिकल बायोकैमिस्ट्स प्रतिभाग कर रहे हैं। तीन दिसंबर को राज्यपाल सुश्री उइके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। इसके बाद मेडिकल बायोकैमिस्ट्री के क्षेत्र में आ रहे बदलावों पर तीन से पांच दिसंबर तक विभिन्न तकनीकी सत्रों में चर्चा की जाएगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. एली मोहापात्र ने बताया कि तकनीकी सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, नए बायोमेकर्स के अनुप्रयोग, मॉलीक्यूलर डायग्नोसिस, ट्यूमर मार्कर, नवजात शिशुओं में सुनने की समस्या, जीनोम, मेटाबॉलिक डिसआर्डर जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की जाएगी। तीन दिवसीय राष्ट्रीय एंबीकॉन का समापन पुरस्कार वितरण के साथ पांच दिसंबर को होगा। प्री-कांफ्रेंस वर्कशाप के अंतर्गत दो दिसंबर को पांच विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

भूपेश सरकार धान खरीदी का नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है: तिवारी

रायपुर/नवप्रदेश। आज से प्रदेश में वर्ष 2021-22 खरीफ फसल की धान खरीदी शुरू हो गयी है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की तीसरी धान खरीदी वर्ष शुरुवात को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है। सत्ता और संगठन ने खरीदी को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्था की है, जिससे किसानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना करना ना पड़े। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, इस वर्ष 2 हज़ार 3 सौ निन्यानबे (2399) सहकारी समितियों में धान खरीदी की जाएगी। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 88 नये धान खरीदी केंद्र बनाए गये है। 22.66 लाख पंजीकृत किसान ने 29 लाख हेक्टेयर में धान उत्पादन का पंजीयन कराया है, पंजीकृत किसानों की संख्या पूर्व वर्ष से लगभग 2 लाख अधिक है, वही दूसरी ओर पंजीकृत धान का रकबा 2.25 लाख हेक्टेयर बढ़ा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, कांग्रेस भूपेश सरकार की नीतियों का ही असर है कि गांव से शहरों और दूसरे राज्यों में होने वाला पलायन रुका है पढ़े-लिखे युवा भी अब गांव और खेती किसानी की ओर लौट रहे हैं यही वजह है कि धान का केवल रब्बा ही नहीं बलकी खेती करने वाले किसानों की संख्या भी बढ़ी है साथ ही राज्य में दूसरी फसलों का रकबा भी बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ओमीक्रान के खतरे से बचाव के लिये प्रधानमंत्री को सलाह दे रहे तो भाजपाई क्यों तिलमिला रहे : कांग्रेस

■ **अगर मोदी जागरूक होते तो कोरोना का तांडव नृत्य नहीं होता : कांग्रेस**

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मंत्री और भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत के बयान पर कड़ा जवाब देते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने राज्य के लोगों की जान की परवाह करते हैं, इसलिए वे कोरोना के नए वैरिएंट के संदर्भ में प्रधानमंत्री से आग्रह कर रहे हैं और इधर जनता द्वारा ठुकराये जा चुके भाजपा के ड्राइंगरूमी नेता अशिष्ट भाषा में ज्ञान बांट रहे हैं कि मुख्यमंत्री को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री यदि कोरोना के ओमीक्रान वेरियंट के संदर्भ में प्रधानमंत्री से अफ्रीकी देशों की उड़ान प्रतिबंधित करने और विदेश से आने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने की मांग कर रहे है तो इसमें भाजपा के नेता तिलमिला क्यों रहे? एक प्रदेश के मुख्यमंत्री यदि देश के प्रधानमंत्री को महामारी के आने वाले खतरे पर सचेत कर सलाह दे रहे है तो इसमें भाजपा नेताओं की आपत्ति उनकी राजनैतिक खीझ को ही प्रदर्शित करती है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अगर मोदी कोरोना से देश को बचाने के लिए इतने ही चिंतनशील होते तो कोरोना तांडव नृत्य नहीं कर पाता। जिस वक्त देश में महामारी फैलने से रोकने के लिए उपाय करने की जरूरत थी, उस समय मोदी जी तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प की स्तुति में तल्लीन थे। कोरोना कोहराम मचा रहा था और मोदी ताली, थाली बजवा रहे थे। कोरोना से बचाव की चिंता छोड़ भाजपा मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिराने में व्यस्त थी। मोदी सरकार की लापरवाही देश के लिए घातक साबित हो चुकी है। उस अफ्लातूनी संस्कृति का दंश छत्तीसगढ़ ने भी झेला है। वह तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सतर्कता और उपाय काम आए और छत्तीसगढ़ कोरोना काल में भी हर क्षेत्र में गतिशील रहा। अब अगर भाजपा के नेताओं की आत्मा में तनिक भी संवेदना बची है तो मोदी सरकार के बचाव के चक्कर में छत्तीसगढ़ की जनता के हित में बाधक न बनें।

कोई काम नहीं है इसलिए ट्विटर पर खीझ निकाल रहे हैं रमन : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के ट्वीट के जवाब में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की खुशहाली और मुख्यमंत्री श्री बघेल की देश भर में बढ़ी लोकप्रियता से रमन सिंह काफी खिन्न हैं। उन्हें अपनी खुद की पार्टी काम नहीं दे रही। किसी भी राज्य के चुनाव में उन्हें प्रचार के लिए बुलाया नहीं जा रहा तो वे यहां घर पर बैठे बैठे भड़ास निकालते रहते हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य के विकास और जनता के हित में दिन रात काम करते हैं इसलिये उनकी ख्याति देश भर में फैली है जबकि रमन सिंह के नाम और उनके काम को छत्तीसगढ़ की जनता बुरी तरह ठुकरा चुकी है। रमन सिंह के पास एक ही काम बच गया है कि ट्विटर पर टाइम पास करते रहें। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य की जनता की सुरक्षा करने में सक्षम हैं और उन्होंने केंद्र सरकार को कोरोना के नए वेरिएंट के संबंध में चेताया भी है।

प्रापर्टी मेला — 3 से 5 दिसंबर इंडोर स्टेडियम में करीब 200 प्रापर्टी लेकर 40 बिल्डर्स रहेंगे मौजूद

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो : 2021 कल से, बेस्ट प्रापर्टी लेने का मिलेगा मौका

रायपुर/नवप्रदेश। प्रापर्टी सेक्टर में मध्य भारत का सबसे बड़ा प्रापर्टी एक्सपो-2021 छत्तीसगढ़ क्रेडाई के बैनर पर कल 3 दिसंबर से शुरू हो रहा है जो 5 दिसंबर तक रहेगा। जिसमें करीब 200 प्रापर्टी लेकर 40 बिल्डर्स इंडोर स्टेडियम में बुकिंग व बिक्री के लिए मौजूद रहेंगे। काफी अरसे बाद ऐसा होगा कि एक ही जगह पर नए व पुराने प्रोजेक्टों से रूबरू होने के साथ बेस्ट से बेस्ट प्रापर्टी लेने का अवसर बायर्स को मिलेगा। जहां फ्लैट, बंगले, मकान, विला, प्लाट व कमर्शियल ऑफिस.. हर बजट पर हर लोकेशन में उपलब्ध होगा। स्पॉट बुकिंग पर जहां बिल्डर्स आकर्षक ऑफर पेश कर रहे हैं वहीं क्रेडाई की ओर से भी तीनो दिन लकी ड्रा और आखिरी दिन बंफर ड्रा में पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। एसबीआई और एचडीएफसी दो प्रमुख बैंक प्रापर्टी एक्सपो के प्रमुख सहयोगी हैं। कोरोना गाइडलाइन का पालन करने पर ही एक्सपो स्थल पर प्रवेश मिलेगा।

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो-2021 के प्रोग्राम चेयरमेन संजय रहेजा एवं को-चेयरमेन अशोक मूंदड़ा ने बताया कि अब तो यह बहुप्रतिक्षित प्रापर्टी एक्सपो बन चुका है। इसलिए कि पूर्व के वर्ष में क्रेडाई का प्रापर्टी एक्सपो जिस प्रकार सफल रहा और बिल्डर्स को जहां अच्छा बिजनेस मिला और बायर्स को बेस्ट प्रापर्टी एक प्रकार से इंतजार हो रहा था, इसलिए भी कि चालू साल का यह आखिरी महीना है और नए साल के स्वागत की तैयारी भी चल रही है, इसलिए इस साल की विदाई के साथ किराए के मकान को भी विदा करने का अवसर आ गया है और प्रापर्टी एक्सपो से अच्छा मौका कहीं नहीं मिलेगा। चूंकि आयोजन क्रेडाई कर रहा है इसलिए बायर्स भी पूरे विश्वास के साथ खरीदी करते हैं। रेसिडेंशियल हो या कमर्शियल एक जगह पर उन्हे चयन का अवसर सारे विकल्प के साथ मिलेंगे क्योकि हर क्षेत्र में प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे बिल्डर्स के स्टाल यहां उपलब्ध रहेंगे। स्टाल पर सारी जानकारी मिलेगी यदि चाहें तो बायर्स को साइट विजिट भी कराया जायेगा। अब कि बार और भी नए लोकेशन में, नई और बेहतर सुविधाओं के साथ प्रापर्टी खरीदने का मौका मिलेगा। फाइनेंस के लिए बैंकों के प्रतिनिधि भी अपने स्टाल के साथ मौजूद रहेंगे।

वैसे तो समय-समय पर बिल्डर्स व डेवलपर्स छूट या आफर व्यक्तिगत तौर पर देते रहते हैं और अपने नाम पर प्रापर्टी बेंचते रहते हैं पर क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो एक ऐसा प्लेटफार्म होता है जहां छत्तीसगढ़ क्रेडाई से संबद्ध सारे बिल्डर्स की एक ही जगह पर मौजूदगी होती है और सभी प्रकार के प्रोजेक्ट लेने का विकल्प बायर्स को मिलता है। इसलिए बगैर किसी प्रतिस्पर्धा के इस आयोजन में बायर्स को बेस्ट से बेस्ट देने वे तत्पर रहते हैं। इस बार भी स्पॉट बुकिंग पर ढेरों ऑफर्स पाने का अवसर मिलेगा। काफी सारे उपहार क्रेडाई की ओर से भी दिए जाते हैं। तीनों ही दिन दो-दो ड्रा निकाले जायेंगे। आखिरी दिन का छठवां ड्रा बंफर होगा। इसमें एक्टिवा,सोने के सिक्के व होम एम्पलायंसेस प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

संपादकीय

अब ओमिक्रॉन को लेकर दहशत

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन ने दुनिया के 16 देशों में दस्तक देकर दहशत फैला दी है। कोरोना का यह नया वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। यह कोरोना के एक अन्य घातक वेरिएंट डेल्टा के मुकाबले पांच गुना अधिक खतरनाक बताया जा रहा है। यद्यपि इस नए वेरिएंट को लेकर अभी तक रिसर्च चल रही है लेकिन यह माना जा रहा है कि कोरोना का यह नया वेरिएंट ऐसे लोगों को भी अपना शिकार बना सकता है जिन्हे कोरोना की वैक्सीन लग चुकी है। इसी से स्पष्ट है कि कोरोना का यह नया अवतार कितना ज्यादा खतरनाक हो सकता है। भारत में अब तक इस वायरस ने दस्तक नहीं दी है लेकिन भारत में भी इसके आने की संभावना बरकरार है। यही वजह है कि केन्द्र सरकार ने विदेशों से आने वाले लोगों की जांच अनिवार्य कर दी है। महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में ओमिक्रॉन के खतरे को मद्देनजर रख कर नई गाईड लाईन भी जारी की है। कई जगह फिर से नाईट कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई है, वहीं मास्क पहनना भी अनिवार्य किया जा रहा है। जिन राज्यों में शिक्षण संस्थानों को पूरी क्षमता के साथ खोलने के आदेश दे दिए गए थे वह आदेश भी रद्द कर दिए गए है। कोरोना गाईड लाईन का सख्ती पूर्वक पालन कराने के लिए भी कड़े कदम उठाए जा रहे है। उड़िसा में तो नए साल का जश्न मनाने पर रोक लगा दी गई है। कुल मिलाकर यह वैरिएंट भले ही नया है लेकिन इसे लेकर यही पूरानी दहशत फैल रही है इसलिए यह आवश्यक है कि सभी लोग इसे गंभीरता से लें और कोरोना गाईड लाईन का ईमानदारी पूर्वक पालन करें। जिन लोगों ने अभी तक कोरोना की वैक्सीन नहीं लगाई है वे जल्द से जल्द कोरोना का टीका लगावा लें और दो गज की दूरी का पालन करें अन्यथा कोरोना का यह नया वैरिएंट ओमिक्रॉन भारत में कोरोना की तीसरी लहर ला सकता है जिसे हम आवश्यक सावधानी बरत कर ही टाल सकते है। सरकार को चाहिए कि ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए सभी राज्य सरकारों के साथ आपात बैठक करें और इसे लेकर पूरे देश के लिए नए सिरे से दिशा निर्देश जारी करें और उनका कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित करें। तभी इस चुनौती से निपटा जा सकेगा।

विचार

काबुल पर अनिश्चितता कायम

अफगानिस्तान की जो कहानी करीब चार दशक पहले तत्कालीन सोवियत संघ की फौज के आने के साथ शुरू हुई थी, उसकी पटकथा भले बदलती रही, लेकिन भूमिका एक ही है। पाकिस्तान आग का एक दरिया है और अफगानिस्तान के लिए इसमें से डूबकर जाना है। फिर चाहे वह अमेरिका हो, चीन हो, भारत या अन्य कोई देश। अफगानिस्तान के मामले में तमाम मुल्कों के लिए पाकिस्तान या तो रास्ते का पत्थर है या वह राह देता भी है, तो अपनी शर्तों पर। दुनिया इस मसले का समाधान अब तक ढूंढ़ नहीं पाई है। ऐसे में, 10 नवंबर को दिल्ली में, और 11 नवंबर को इस्लामाबाद में अफगानिस्तान मसले पर जो बैठकें हुईं, उनके अलग-अलग पहलू स्वाभाविक थे, पर मकसद समान था कि अफगानिस्तान अब जिस दिशा में जा रहा है, उसका समाधान क्या है?

पहले चर्चा दिल्ली में हुई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की बैठक की। इसमें अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे अहम देश शामिल नहीं हुए। मगर जो दुखियारे राष्ट्र थे और जिनको लग रहा था कि काबुल के बदलते घटनाक्रम का उन पर नकारात्मक असर पड़ेगा, वे सभी एकजुट हुए। इस बैठक के दो आयाम हैं। पहला, तमाम राष्ट्र अफगानों को मानवीय मदद पहुंचाने के हिमायती हैं। काबुल से यही खबरें आ रही हैं कि वहां बच्चों तक को खाना नहीं मिल पा रहा और परिवार असहाय हैं। इनको मदद पहुंचाने को लेकर बैठक में शामिल सभी राष्ट्र एकमत हैं। बैठक की दूसरी वजह थी, क्षेत्रीय सुरक्षा। आज अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के अधीन जो कुछ हो रहा है, वह सुखद नहीं है। हालांकि, इसे तालिबानी नहीं, हक्कानी शासन कहना ज्यादा उचित होगा, और यह सभी जानते हैं कि हक्कानी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का अभिन्न अंग है। आईएसआई के अफसरान अफगानिस्तान में सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों से जुड़े हैं। नंगरहार प्रांत में तो जमात-उद-दावा के रंगरूटों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिनका निशाना कौन-कौन होगा, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है। भारत तो स्वाभाविक तौर पर केंद्र में होगा, लेकिन ताजिकिस्तान भी 90 के दशक में तालिबान को भुगत चुका है। उज्बेकिस्तान को लेकर रूस की अपनी चिंताएं हैं। इस बदलते घटनाक्रम से नशे की तस्करी में इजाफा होने की आशंका भी मास्को को परेशान कर रही है। रही बात, गुरुवार को पाकिस्तान में हुई बैठक की, तो इसमें अफगानिस्तान मसले से जुड़े तमाम खिलाड़ियों ने शिरकत की। चीन और रूस का बैठक में शामिल होना समझा जा सकता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधि का इस्लामाबाद पहुंचना समझ से परे है। तब तो और, जब अफगानिस्तान की दो दशक लंबी जंग में पाकिस्तान के कारण ही अमेरिकी फौज को हार का मुंह देखना पड़ा हो। बेशक ह्वाइट हाउस न चाहता हो कि 'दिल्ली डायलॉग' में वह ईरान के सामने आए, लेकिन कम से कम भारत के पक्ष में एक बयान तो जारी कर ही सकता था। नई दिल्ली हमेशा से अमेरिका की तरफदारी करती रही है, जबकि इस्लामाबाद उसके साथ परोक्ष जंग में भी मुब्तिला रहा। बावजूद इसके, अमेरिका ने पाकिस्तान से दोस्ती और भारत से दूरी का परिचय दिया। उसके इस रुख का अफगानिस्तान पर आगे क्या असर होगा, इसका पता तो बाद में चलेगा, लेकिन इसी कूटनीति ने अफगानिस्तान में उसकी लुटिया डुबोई है।

धारा 370 अब बीते जमाने की बात

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

विपक्ष ये तर्क दे रहा है कि चुनाव में हार की डर से मोदी सरकार ने कृषि कानून वापिस किये हैं। अगर देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कृषि कानून को वापस लेना होता तो पश्चिम बंगाल, आसाम समेत कई राज्यों में जब विधानसभा चुनाव हुए थे। उस वक्त चुनावी फायदे के लिए पीएम नरेंद्र मोदी इस कानून को वापस ले सकते थे। लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी ने देशहित में तथाकथित किसानों के चल रहे आंदोलन को खत्म करने के लिए इस कानून को वापस लिया है। क्योंकि पूरे देश को पता था कि आंदोलन की आड़ में विदेशी ताकतें और देश में बैठे देश विरोधी लोग भारत को अस्थिर करने की साजिश रच रहे थे। जम्मू कश्मीर सहित तमाम मुद्दों पर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट है। ऐसे में देश विरोधी ताकतों और देश का माहौल बिगाड़ने वालों को अच्छे से समझ लेना चाहिए कि धारा 370 की वापसी अब कभी नहीं होगी। इसलिये वे दिवास्वपन देखना बंद कर दें।

कृषि बिलों की वापसी के बाद देश में एक वर्ग द्वारा ऐसा माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि मोदी सरकार धारा 370, सीएए और एनआरसी जैसे कानूनों को भी वापिस करना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि जिस तरह सरकार ने कृषि कानूनों को वापस लिया है, उसी तरह अनुच्छेद 370 को भी बहाल कर देना चाहिए। तो क्या यह मान लिया जाए कि आने वाले समय में जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए भी देश को इसी तरह का आंदोलन का सामना करना पड़ेगा। कृषि कानून को वापस लेने के लिए जिस प्रकार तथाकथित किसानों ने 1 साल से अधिक समय तक उग्र आंदोलन किया। क्या इसी तर्ज पर अब देश के मुसलमान जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल करने को लेकर सड़क जाम कर आंदोलन करेंगे ?

महबूबा घाटी के युवाओं और अवाम को भड़काने के लिये जानबूझकर भड़काऊ बयान दे रही है। सीएए ओर एनआरसी कानून को अभी सरकार ने लागू नहीं किया है। लेकिन धारा 370 और अनुच्छेद 35-ए हटन के बाद से जम्मू कश्मीर की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। लेकिन देश विरोधी ताकतें और कश्मीर के चंद नेता ऐसा माहौल बनाने में लगे हैं कि धारा 370 को भी वापिस किया जा सकता है। असल में कृषि कानूनों की वापसी के बाद से इस संबंध में आवाजें तेज हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृषि कानून को वापस लिए जाने के बाद विपक्ष को सरकार पर दबाव बनाने का एक नया हथियार मिल गया है। विपक्ष द्वारा अब विरोध स्वरूप हर मुद्दे को लेकर आंदोलन को हवा दी जाएगी। क्योंकि कृषि कानून वापस होने से उन्हें एक रास्ता मिल चुका है।

जहां तक जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 संविधान में एक 'अस्थायी व्यवस्था' के तौर पर लागू किया गया था। संविधान सभा में हमारे राजनीतिक पुरखों ने इस व्यवस्था पर व्यापक विमर्श किया था। नतीजतन 14 मई, 1954 को राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने ऐसी 'अस्थायी व्यवस्था' को स्वीकृति दी थी और जाहिर है कि उसे अधिसूचित भी किया गया। संविधान सभा को 1956 में समाप्त घोषित किया गया, क्योंकि तब तक देश में संविधान पूरी तरह लागू किया जा चुका था। संविधान सभा की उत्तरदायी संस्था संसद को स्वीकार किया गया, लिहाजा उसे ही संवैधानिक संशोधन, बदलाव या किसी अन्य स्थिति के लिए अधिकृत किया गया। तब से भारत में संसद ही 'सुप्रीम' मानी जा रही है, क्योंकि सांसदों के जरिए वह ही लोकतंत्र और संविधान की प्रतीक है। अनुच्छेद 370 और 35-ए की संवैधानिक जरूरत क्या थी और आज भी क्या है तथा भारत में जम्मू-कश्मीर रियासत के विलय की शर्तें क्या तय की गई थीं, हम उस ऐतिहासिक अतीत और गलतियों को खंगालना नहीं चाहते, क्योंकि इन अनुच्छेदों की

भारत का अभिन्न और अंतरंग हिस्सा होने के बावजूद जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के भूक्षेत्र शेष भारत से अलग, कटे हुए लगते थे। कश्मीरियत क्या गोरी, लाल चमड़ी वाली विशेष जमात थी, जिसे शेष हिंदुस्तान से अलग रखा गया। कमाल यह रहा कि यहां से चुने हुए सांसद भारतीय संसद में विराजते थे और सरकारी वेतन, भत्ते बटोरते थे! सवाल यह है कि कश्मीर में ही, देश के संविधान, तिरंगे और प्रधानमंत्री से अलग, व्यवस्था क्यों की गई? हम प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के तत्कालीन फैसलों की मीमांसा भी नहीं करेंगे। उन्होंने ही कश्मीर का प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला को बना रखा था। दोस्ती, सियासत अथवा कोई विवशता थी? आज यह अनुत्तरित है, क्योंकि कांग्रेस तत्कालीन इतिहास की व्याख्या अपने तौर पर करती है। तभी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद दिग्विजय सिंह यह बयान दे देते हैं कि कांग्रेस सत्ता में आई, तो अनुच्छेद 370 की बहाली पर पुनर्विचार करेगी।

विशेष व्यवस्था का उल्लेख और विश्लेषण असंख्य बार किया जा चुका है। अहम और बुनियादी सवाल आज भी यह है कि संविधान की 'अस्थायी व्यवस्था' 65 लंबे सालों तक लागू क्यों रही? क्या 'अस्थायी व्यवस्था' की यही परिभाषा थी? दरअसल कश्मीर में भारत के राष्ट्र-ध्वज 'तिरंगे' की कोई मान्यता नहीं थी। कश्मीर का अपना झंडा था और संविधान भी अपना ही था। भारत के राष्ट्रपति को कश्मीर का संविधान बर्खास्त करने अथवा अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू कराने का संवैधानिक अधिकार नहीं था। अनुच्छेद 360 के तहत देश में वित्तीय आपातकाल चस्पा किया जा सकता है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में उसे प्रभावी नहीं बनाया जा सकता था। शहरी भूमि कानून और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम भी कश्मीर में लागू नहीं थे। अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था नहीं थी।

संसद में पारित होने के बावजूद सूचना का अधिकार कानून भी कश्मीर में अप्रभावी था। परमिट लेकर कश्मीर में प्रवेश किया जा सकता था मानो भारत का राज्य न हो! नियंत्रक एवं महालेखाकार की ऑडिट व्यवस्था भी कश्मीर से परे रखी गई थी। यहां तक कि भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी जम्मू-कश्मीर में अप्रासंगिक थीं। देश के प्रथम उद्योग, वाणिज्य मंत्री एवं 'जनसंघ' के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' का नारा बुलंद करते हुए आंदोलन खड़ा किया था और अंततः उनका बलिदान भी रहस्यमयी बना दिया गया।

भारत का अभिन्न और अंतरंग हिस्सा होने के बावजूद जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के भूक्षेत्र शेष भारत से अलग, कटे हुए लगते थे। कश्मीरियत क्या गोरी, लाल चमड़ी वाली विशेष जमात थी, जिसे शेष हिंदुस्तान से अलग रखा गया। कमाल यह रहा कि यहां से चुने हुए सांसद भारतीय संसद में विराजते थे और सरकारी वेतन, भत्ते बटोरते थे! सवाल यह है कि कश्मीर में ही, देश के संविधान, तिरंगे और प्रधानमंत्री से अलग, व्यवस्था क्यों की गई? हम प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के तत्कालीन फैसलों की मीमांसा भी नहीं करेंगे। उन्होंने ही कश्मीर का प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला को बना रखा था। दोस्ती, सियासत अथवा कोई विवशता थी? आज यह अनुत्तरित है, क्योंकि कांग्रेस तत्कालीन इतिहास की व्याख्या अपने तौर पर करती है। तभी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद दिग्विजय सिंह यह बयान दे देते हैं कि कांग्रेस सत्ता में आई, तो अनुच्छेद 370 की बहाली पर पुनर्विचार करेगी। संसद में 370 का प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से ज्यादा मतों के बाद ही संभव हुआ था। कांग्रेस इतनी छिन्न-भिन्न स्थिति में है कि सरकार में आना दिवास्वप्न ही है और वह भी संविधान संशोधन के तौर पर दोबारा पारित कराना संभव नहीं लगता। राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से सवाल कर सकते हैं कि इस संशोधन की जरूरत क्या है? अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए खारिज कर दिए गए।

जनपक्षधरता पत्रकारिता के अजातशत्रु थे ललित सुरजन

लक्ष्मी नारायण लहरे

ललित सुरजन ने रोटरी इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3260 (उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाकौशल) के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में भी सेवाएं दीं। रोटेरियन सुरजन को आर.आई. से बेस्ट गवर्नर का अवार्ड मिला तथा रोटरी फाउण्डेशन से उन्हें साइटेशन ऑफमेरिट प्रदान किया गया। इसके अलावा उन्हें रोटरी सेवाओं के लिए अलग-अलग अवसरों पर सम्मानित किया गया। उन्होंने साहित्य, पत्रकारिता, विश्व शांति व सद्भाव के प्रयोजन से विश्व के अनेक देशों की यात्रा की तथा अनेक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय व नेतृत्वकारी भूमिक निभाई। वे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे।

साहित्य समाज का दर्पण है,समाज का प्रतिबिंब है ।साहित्य समाज का लेखा -जोखा है ।किसी भी राष्ट्र या सभ्यता की जानकारी उसके साहित्य से प्राप्त होती है ।साहित्य लोकजीवन का अभिन्न अंग है ।साहित्य के बिना समाज और समाज के बिना साहित्य निरर्थक और अधूरा है। साहित्य के बिना समाज गुंगा है वही समाज के बिना साहित्य कोरा कल्पना है दोनों अपने अस्तित्व और विकास के लिए एक दूसरे पर निर्भर है ।साहित्य में साहित्यकार की भावनाएं और विचार आकांक्षाएं व सन्देश छिपी रहती है वह साहित्य सृजन से समाज में नई क्रांति नई उमंग जज्बात की जिंदा रखने की पुरजोर कोशिश करता है और वह साहित्य से समाज में नई सन्देश का आगाज कर नव सृजन करता है ।साहित्य लेखन और पत्रकारिता के नींव को समृद्ध रखने के साथ -साथ नई पीढ़ी के मार्गदर्शक रहे विरष्ठ साहित्यकार ललित सुरजन जी को मेरे लिए लिख पाना बहुत ही कठिन काम है उन्होंने अपने जीवन भर लेखन किया और साहित्य को समृद्ध करते हुए समाज का सृजन किया उनकी जीवन नई पीढ़ी को सृजन करने में कट गई ।ललित सुरजन जी कहते थे जिस विषय पर आप लिखते हैं उस विषय के बारे में समुचा अगर ज्ञान नहीं है तो मत लिखो सुरजन जी से जब - जब मेरी मुलाकत आमने -सामने हुई है तब -तब कुछ न कुछ नया सीखने को मिला है

सुरजन जी आशावादी,स्वाभिमानी जनपक्षधरता पत्रकारिता के अजातशत्रु थे । उन्होंने अपने जीवन में पत्रकारिता के मूल्यों को बारीकी से समाज के सामने जैसा का तैसा रखे कभी पत्रकारिता और साहित्य लेखन को अपनी निजी स्वार्थ के लिए कलम नहीं चलाये निःस्वार्थ पत्रकारिता साहित्य सृजन के लिए जिये अपनी अंतिम सांसे तक सृजन करते रहे ।

ललित सुरजन का जीवन परिचय – ललित सुरजन देश के वरिष्ठ पत्रकार शिक्षाविद, लेखक, शांतिकर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता थे। सुरजन जी अप्रैल 1961 में जबलपुर से प्रशिक्षु पत्रकार के रूप में अपना पत्रकार जीवन प्रारंभ किया था। उन्होंने समाचार पत्र के संपादन, प्रबंधन तथा उत्पादन इन सभी में अनुभव हासिल किया।

1 जनवरी 1995 से वे देशबन्धु पत्र समूह के प्रधान संपादक के रूप में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने 1966 से 1969 के बीच कालेज विद्यार्थियों के लिए स्नातक नामक साहित्यिक पत्रिका का संपादन भी किया। 1969 में रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के नवगठित पत्रकारिता विभाग के मानसेवी विभागाध्यक्ष का दायित्व भी 3 वर्ष तक निभाया। श्री सुरजन को 1977 में थामसन फाउण्डेशन, यूके की वरिष्ठ पत्रकार फेलोशिप के लिए चुना गया। ललित सुरजन एक जाने-माने शिक्षा शास्त्री भी रहे। उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमेन 2006-2011, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन तथा सर्वशिक्षा अभियान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण समिति के उपाध्यक्ष तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

ललित सुरजन पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की कार्यपरिषद (2000-2004 एवं 2010-2017) पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर की कार्यपरिषद (2012-2015), कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर की विद्यापरिषद (2011-2014) माननीय राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य रहे हैं।

श्री सुरजन अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे। वे भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक) की कार्यकारिणी व शासी परिषद के सदस्य व छत्तीसगढ़ राज्य के संयोजक, छत्तीसतगढ़ प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष जैसे अनेक पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे थे।

ललित सुरजन की रचनाएं– एक लेखक के रूप में भी सुरजन जी की पहचान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रही है। सन् 1960 से लेखन में सक्रिय रहते हुए उनके दो कविता संकलन एवं पांच निबंध संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी रचनाओं का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है। उनके दो काव्य संग्रह प्रकाशित हुए- अलाव में तपकर, तिमिर के झरने में तैरती अंधी मछलियां, और एक निबंध संग्रह समय की साखी। यात्रा संस्मरण हैं- शरणार्थी शिविर में विवाह गीत, दक्षिण के अवकाश पर ध्रुवतारा और नील नदी की सावित्री, द बनाना पील (अंग्रेजी)।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दिल का तुफां

दिल का तुफ़ां भी कभी थम जाता है, बादलों को भी पसीना आता है। चांद ,तारे,बिजलियां मुझसे कहें, क्यूं ज़मीं से प्यार तुझको भाता है। कार,स्कूटर,जीप ही अब जिन्दगी , पांव, पैदल चलने से शर्माता है। दर्द तेरा इन जुराबों में दिखे, आइना भी सच कहां दिखलाता है। इश्क़ का हर स्वाद तीखी मिर्च सा, आंसुओं से दानी इनका नाता है।

– डॉ संजय दानी

हँसी ठिठोली से

हँसी ठिठोली से तुम्हें लगाव है, मैं पीड़ा की अभ्यासिन हूँ, तुम आतुर नायक बनने को, मैं स्वभावगत वनवासिन हूँ, खुशियाँ सारी ले लो लेकिन, मेरे सम्मुख रुदन न करना नहीं मानिनी रुक्मिणी जैसी, ना राधा सी सखी तुम्हारी, ना उद्धव का संदेशा पाया, ना वंसी धुन सुनी तुम्हारी, मैं मीरा सी सदा प्रतीक्षित विष पात्र में विष ही रखना।

–वर्षा वर्षिता श्रीवास्तव

ख़ास पाती | कोई तो होगा कभी -कभी कुछ

कोई तो होगा कभी -कभी कुछ भीतर थक जाता है हर मनुष्य के। विचारों के जंगल से बाहर आकर भी ऊब जाता है। तो कोई तो होगा जो बतियायेगा कभी-कभी खामोशियाँ भी चुनने लगती हैं यादों के फूल। गंगोत्री आंखों की बहती है धोने लगती धूल। पर कोई तो होगा जो हंसाएगा। कभी -कभी जब कोई बांध टूट जाता है सब्र का । उगता है दर्द नागफणियों सा चुभ जाता है । पर कोई तो होगा जो समझायेगा। कभी-कभी हर कोई हार कर बैठ जाता जब बेजान रिश्तों की पगडंडियां थका देती थक जाता मन। तब कोई तो होगा जो जीत कर भी हार जाएगा । यूं ही कभी -कभी। **– चंद्रकांता अग्निहोत्री**

मुकद्दर में यही मेरे लिखा होगा

मुकद्दर में यही मेरे लिखा होगा तभी तो तुमने मुझसे कुछ कहा होगा यक़ी पूरा है मुझको गर कहा तुमने बुरा मुझसे नहीं कोई रहा होगा तराजू पर रखे कोई खुशी तेरी तरफ दूजी मेरा जीवन रखा होगा ज़रा सी बात पर भड़का है दिल मेरा भला क्या क्या न इसने भी सहा होगा ख़फ़ा होता ज़रा सी बात पर मैं क्यूँ नगर पूरा मुहब्बत का ढहा होगा तड़पकर रो पड़ा होगा ये पागल दिल तभी तो रूह से आँसू बहा होगा वही दिन आख़िरी होगा मेरा तो बस अगर कोई भी दिन तेरे बिना होगा। **– मित्र ग़ाज़ियाबादी**

सबसे तेज वही चलता है जो अकेला

सबसे तेज वही चलता है जो अकेला चलता है, लेकिन दूर तक वही जाता है जो सबको साथ लेकर चलता है। कोशिश करे कि जिँदगी का हर लम्हा अपनी तरफ से हर किसी के साथ अच्छे से गुजरे क्योकि, जिन्दगी नहीं रहती पर अच्छी यादें हमेशा जिन्दा रहती हैं। **– पितांबर श्रीवास्तव**

एक नयी आस में फिर से

एक नयी आस में फिर से खुद को बांध लिया है. कभी अपनों तो कभी गैरों को वक़्त से जान लिया है. कभी बिखरी, तो कभी निखरी जीवन का सार लिया है एक नयी सुबह के इंतज़ार में कई बेबस रातें तन्हाई की लेकिन कल से एतबार लिया है कितने लोग गिराएंगे, जाने कितने उठाएंगे बात तो बस उन नज़रों की जहाँ मैंने खुद को संभाल लिया. एहसासों की ज़मी पे आज भी खामोशी से बैठी हूँ.. एक कप चाय के साथ जीवन के हर रंग में घुल कर विश्वास को खुद में रंग लिया है। कि सुबह की चाय भी कुछ कहती है... ग़र याद रहें। **– नंदिता तनूजा**

बहुत सोचा न था, बस कदम

बहुत सोचा न था, बस कदम बढाते गए, चुभते रहे कांटे, हाथों से उसे हटाते गए, चले जो अकेले, धूप-छांव की हुई न खबर- ठोकर मिली जहाँ-जहाँ, गुरु उसे बनाते गए । **–पूनम झा**

अच्छा सुनो! तुम्हारे पीछे-पीछे इतना

अच्छा सुनो! तुम्हारे पीछे-पीछे इतना चली कि पैरों में बवाईयाँ पड़ गई! किसने कहा था पीछे आने के लिए किसी ने भी नहीं फिर दोष मुझे क्यों उस दिन से वह वहीं थम गई । जड़ हो गई । कालांतर में वह धरती पर वनस्पति के रूप में अवतरित हुई। **–डिंपल गौड़**

जन्म है-जन्मदाता है-जग है मैं

जन्म है-जन्मदाता है-जग है मैं हूं-जीवन है-मेरा कर्म है फिर भी भीगा कंबल ओढ़ाकर क्यों हिमखंड पर भी मन ही मेरा गर्म है शेष है अवशेष है समग्र तो है यहां कर ना सका बस एक ,जो मेरा कर्म है।

– ललित उपाध्याय

QUIZ TIME

1) छत्तीसगढ़ का कौन-सा नगर निगम है जहां शहरी लोगों को वन भूमि का अधिकार पत्र प्रदान किया गया?
2) छत्तीसगढ़ का कौन-सा जिला है जो गोधन योजना के तहत गोबर खरीदी में नंबर 1 है?
3) बाबू रेवाराम कहां के निवासी थे?
4) सीताबेंगरा की गुफा में निर्मित नाट्य शाला कहाँ स्थित है?
5) शयामा स्वप्न किसकी रचना है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) जगदलपुर (2) राजनांदगांव (3) रतनपुर (4) रामगढ़ (5) ठाकुर जगमोहन सिंह

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1804 - नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई। 1848 - फ्रांस जोसेफप्रथम ऑस्ट्रिया के सम्राट बने। 1911 - जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी भारत आने वाले ब्रिटेन के पहले राजा,रानी बनें। उनके बंबई (अब मुम्बई) आगमन की याद में ही गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया। 1942 - पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) में श्री अरविंदो आश्रम स्कूल की स्थापना हुई जिसे बाद में श्री अरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफएजुकेशन के नाम से जाना गया। 1965 - सीमा सुरक्षा बल की स्थापना हुई। 1971 - संयुक्त अरब अमीरात ने ब्रिटेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की। 1976 - फिदेल कास्त्रो क्यूबा के राष्ट्रपति बने। 1989 - विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के सातवें प्रधानमंत्री बने। 1995 - बेरिंग्स बैंक कांड के चर्चित व्यक्ति निक लीसन को सिंगापुर के न्यायालय द्वारा साढ़े छह वर्ष की क़ैद की सज़ा।

1999 - भारत में बीमा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को मंजूरी मिली। 2002 - प्रशान्त महासागर के बोरा-बोरा द्वीप में एक जलते यात्री जहाज़ 'विडस्टार' से 219 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। 2005 - पाकिस्तान सरकार ने मदरसों द्वारा धार्मिक नफ़रत फैलाने एवं आतंकवाद के लिए प्रेरणा देने वाले शिक्षा एवं साहित्य के प्रकाशन पर रोक के लिए क़ानून बनाया। 2006 - फिलीपींस में ज्वालामुखी का मलबा गिरने से 208 लोगों की मृत्यु तथा 261 लोग घायल। 2007 - पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने 8 जनवरी के प्रस्तावित चुनावों को देखते हुए देश में विरोध प्रदर्शनों और रैलियों पर प्रतिबन्ध लगाया।

रिसाली नगर निगम के लिए भाजपा ने तय किए प्रत्याशी, नए चेहरों को मौका

भिलाई/नवप्रदेश। भाजपा ने नगरपालिक निगम रिसाली के पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी की। 40 वार्डों में 36 नाम घोषित किये गए हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी ने नए चेहरों को मौका दिया है। साथ ही कई दिग्गज भी इस बार निकाय चुनाव में अपनी किस्मत अजमाएंगे।

1. तालपुरी महिला आरक्षित श्रीमती संजय धवस
2 रूआबाधा उत्तर सामान्य जगू यादव
3 रूआबाधा उत्तर ओबीसी महिला श्रीमती अंजू यादव
4 रुआबाधा पूर्व ओबीसी महिला श्रीमती सीमा यादव
5 एच एस.सी.एल. कालोनी रूआबाधा सेक्टर ओबीसी महिला श्रीमती माया यादव
6 रूआबाधा सेक्टर सामान्य महिला श्रीमती प्रीति चंद्राकर
7 रिसाला सेक्टर पूर्व एसटी सुरेन्द्र कुमार ठाकुर
8 रिसाली सेक्टर पश्चिम एसटी पालू राम धुर्वे
9 डी.पी.एस. रिसाली सेक्टर सामान्य महिलाश्रीमती चंद्रकिरण मिश्रा
10 दशहरा मैदान रिसाली एसटी महिला श्रीमती भुलेश्वरी ठाकुर
11 मरोदा सेक्टर पूर्व सामान्य उजियार सिंह पवार
13 टंकी मरोदा सामान्य राम कृष्ण यादव
14 मरोदा कैम्प सामान्य महिला श्रीमती रामेश्वरी संजय देशमुख
15 मरोदा कैम्प सामान्य बालमुकुंद साहू
16 बी.आर.कालोनी सामान्य नरेन्द्र कुमार कोशे
17 शिवपारा स्टेशन मरोदा सामान्य महिला श्रीमती गजेन्द्री कोठारी
18 एच.एस.सी.एल. कालोनी स्टेशन

मरोदा सामान्य महिला श्रीमती चंदा शर्मा
19 विजय चौक स्टेशन मरोदा ओबीसी श्री संतोष साह
20 शंकरपारा स्टेशन मरोदा सामान्य अनिल राय
21 सूर्य नगर स्टेशन मरोदा सामान्य महिला श्रीमती ममता सिन्हा
24 आजाद मार्केट रिसाली सामान्य प्रताप सिंह
25 आशीष नगर पश्चिम ओबीसी मनीष यादव
26 अवधपुरी रिसाली सामान्य श्रीमती सध्या आचार्य
28 शक्ति बिहारी रिसाली सामान्य श्रीमती शोभना परहाड
29 लक्ष्मी नगर रिसाली सामान्य भूपेन्द्र दास
30 इस्पात नगर रिसाली सामान्य श्रीमती एस. ममता
31 शहीद किरण देशमुख रिसाली बस्ती सामान्य शैलेन्द्र साहू
32 नेवई भाठा एससी गौकरण मांडले
33 नेवई बस्ती पूर्व एससी भागवत बुंदेला
34 नेवई बस्ती पश्चिम एसस लक्ष्मी चन्द डहरे
35 डून्डेरा पश्चिम ओबीसी खिलेन्द्र चंद्राकर
36 डून्डेरा पूर्व ओबीसी दुर्गेश साहू
37 जोरातराई एससी हरीश नायक
38 स्टोरपारा पुरैना एससी महिला चंदा बारिक
39 एन एस पी.सी.एल. पुरैना एससी ओमप्रकाश
40 पुरैना बस्ती एससी महिला श्रीमती ममता मोहन राव

भिलाई-चरोदा नगर निगम की सूची भी जारी, सभी 40 प्रत्याशियों के नाम पर पार्टी ने लगाई मुहर

भिलाई/नवप्रदेश। भाजपा ने नगरपालिक निगम रिसाली के पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी करने के बाद अब भिलाई चरोदा नगरपालिक निगम के पार्षद प्रत्याशियों की सूची भी बुधवार रात जारी कर दी। भिलाई चरोदा नगरपालिक निगम में कुल 40 वार्ड हैं जिनमे सभी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई।

उम्मीदवारों की सूची -

1 इंदिरा नगर हथखोज वार्ड पिछड़ा वर्ग महिला श्रीमती पद्मिनी साहू
2 हथखोज बस्ती वार्ड सामान्य राकेश कुमार बंछोर
3 अकलोरडीह वार्ड सामान्य महिला श्रीमती बीणा वर्मा
4 जरवाय वार्ड सामान्य एवन कुमार साहू
5 दादर पथर्रा वार्ड जयप्रकाश लहारे
6 उमदा वार्ड सामान्य महिला श्रीमती इंदुमती साहू
7 विश्व बैंक कालोनी वार्ड सामान्य दिलीप पटेल
8 महामायापारा वार्ड पिछड़ा वर्ग अनारक्षित वरूण कुमार यादव
9 शीतलागारा वार्ड सामान्य महिला श्रीमती आशा शामा
10 शातिपारा वार्ड सामान्य गुरुचरण सिंह मेहरा
11 विद्युत मंडल वार्ड पिछला वर्ग मुक्त रामखिलावन वर्मा
12 डबरापारा वार्ड अजजा तुलसी राम ध्रुव
13 गांधी नगर सामान्य महिला श्रीमती मीना गिरी
14 नेहरू नगार वार्ड अजजा महिला श्रीमती तुलसी मरकाम
15 बजरंगपारा वार्ड पिछला वर्ग मुक्त श्रीमती सजन कुमारी माली
16 बाजार वार्ड पिछडा वर्ग महिला श्रीमती प्रेमलता चंद्राकर
17 शांतिनगर वार्ड सामान्य फिरोज फारूखी
18 वसुधरा नगर वार्ड पिछड़ा वर्ग मुक्त प्रेम लाल साहू
19 पदुमनगर वार्ड पिछड़ा वर्ग मुक्त श्रीमती काजल ताम्रकार
20 पंचशील नगर वेस्ट वार्ड सामान्य महिला अर्पणा दास गुप्ता
21 चरौदा बस्ती वार्ड सामान्य संजय यादव
22 चरोदा भाटापारा वार्ड पिछडा वर्ग महिला श्रीमती निशा यादव
23 हाउसिंग बोर्ड वार्ड सामान्य राजीव चतुर्वेदी
24 शिक्षित नगर वार्ड पिछड़ा वर्ग मुक्त सत्यप्रकाश शमी
25 पंचशील नगर इस्ट वार्ड सामान्य विवेक कुलश्रेष्ठ
26 इंदिरा नगर वार्ड सामान्य वेदप्रकाश पांडेय
27 जोन 1 चरोदा वार्ड सामान्य श्री जी, रामा रेड्डी
28 जोन 2 चरोदा वार्ड सामान्य महिला श्रीमती डी. शोभा रानी
29 जोन 3 चरौदा वार्ड सामान्य चंद्रप्रकाश पांडेय
30 उरला वार्ड सामान्य सुमीत शर्मा
31 देवबलौदा शिव मंदिर वार्ड अजा. महिला श्रीमती चंद्रकांता माडले
32 देवबलौदा बस्ती वार्ड सामान्य ललित कुमार यादव
33 देवबलौदा सागरपारा वार्ड अजा कमल तांडी
34 जी. केबिन चरौदा बार्ड अजा महिला श्रीमती नंदनी जांगड़े
35 जी, केविन पी.पी.आर चरोदा अजा पार्थो बाग
36 सिरसाकला बस्ती सामान्य महिला श्रीमती गीता बाई यादव
37 सिरसाकला भाठापारा वार्ड सामान्य सूरज मारकण्डेय
38 सोमनी वार्ड सामान्य तुषांत वर्मा
39 मोरिद वार्ड सामान्य कृष्णकुमार वर्मा
40 गनियारी वार्ड अजा शिवकुमार बंजारे

खुशी-खुशी धान बेचने किसानों का सुवागत कर खरीदी शुरू

देवभोग। राज्य सरकार के आदेश के बाद ब्लाक के उपार्जन केंद्र पर आज से धान खरीदी शुरू किया गया धान खरीदी से पहले गांव के माटी पुजारी द्वारा तौल एवम धान का पूजा अर्चना कर किसानों को तिलक लगाते धान खरीदी की शुरुवात किया गया दीवानमुडा मे 7 किसानों का 124 क्विंटल धान लिया गया तो वही निस्टीगुड़ा से 5 किसानों का 175 किवंटल खरीदा गया इसी तरह झाखरपारा साहित अन्य उपार्जन केंद्र पर पर धान खरीदी किया गया । सबसेअच्छी बात तो यह रही की आज धान खरीदी के दौरान भाग दौड़ की स्थिति नहीं बन पाई क्योंकी धान खरीदी का पहला दिन के चलते काफी कम लोगो ने टोकन कटाया रहा। हालाकि पहले की तरह इस बार भी खरीदी प्रभारियों द्वारा टोकन के लिए निर्धारित किया है ऐसे मे आगमी दिनों से उपार्जन केन्द्रों में भी किसानों का ताता लगेगा जिसे लेकर तैयारी भी करने की बात कही जाती है।ताकि पिछली बार की तरह किसानों अपनी मेहनत की फसल बेचने में परशानियो का सामना ना करना पड़े बकायदा इसके लिए एसडीएम के अलावा पूरा प्रशानिक अमला लगातार उपार्जन केन्द्रों का मानिट्रिंग कर रहे हैं। मतलब इस बार किसानों की हर छोटी बड़ी समस्या के निपटारा के लिए अधिकारी पहले से मुस्तैद दिखाई पड़ रही हैं।

विश्वहिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने निकाली भव्य बाइक रैली

कवर्धा। विश्व हिन्दू परिषद के तत्त्वाधान में स्थानीय करपात्री स्टेडियम में 06 दिसम्बर को 12 बजे से कवर्धा में आयोजित होने वाले हिन्दू शौर्य जागरण संकल्प महासभा के प्रचार प्रसार में गति देते हुए आज बाइक रैली का आयोजन किया गया था । बाइक रैली की शुरुवात महामाया मंदिर से की गयी राजमहल चौक ,बूढ़ा महादेव मंदिर, यूनियन चौक, ऋषभदेव चौक ,दर्रीपारा,नवीन बाजार ,गुरुनानक चौक ,मेन मार्केट,एकता चौक होते हुए पुनः महामाया चौक में रैली का समापन किया गया । इस दौरान भगवा ध्वज लिए युवाओं ने जय श्री राम के नारे के साथ 06 दिसम्बर हिन्दू शौर्य जागरण संकल्प महासभा में शामिल होने के लिए जन मानस को आमंत्रण दिया ।

एनएमडीसी का नवंबर तक अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हैदराबाद। 1 दिसंबर 2021:वित्त वर्ष 22 पहले आठ महीनों मेंएनएमडीसी के संचयी उत्पादन और बिक्री के आंकड़े नवंबर 2021 तक क्रमशः 24.37 एमटी और 24.96एमटी रहे जो किसी भी वर्ष नवंबर तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। कंपनी ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 36 फीसदी और बिक्री में 33 फीसदी की वृद्धि हासिल की।एनएमडीसी नेनवम्बर 2021 में 3.34 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन कर स्थापना के बाद से अबतक किसी भी नवंबर महीने सबसे

अधिक उत्पादन किया है और नवम्बर 2021 में बिक्री 2.88 एमटी रही।

एनएमडीसी की टीम को एक और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए श्री सुमित देब,एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने कहा कि÷सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के नवीनतम आंकड़े अर्थव्यवस्था में सुदृढ़ सुधार का संकेत देते हैं और यह बहुत आश्वस्त करने वाली बात है, हालांकि एनएमडीसी अगले पांच वर्षों में उत्पादन को दोगुना करने के लिए अपने रास्ते पर पहले से ही आगे बढ़ रहा है । समय की मांग हम सभी के लिए यह सुनिश्चित करना है कि हमने पिछले दो वर्षों में जो सबक सीखा है उसका ध्यान रखते हुए और बेहतर तरीके से अपना और अपने प्रचालनों की रक्षा करें।

खान मंत्रालय और भारतीय खान ब्यूरो ने किया अल्ट्राटेक को सस्टेनेबल खान प्रबंधन के लिए 5 स्टार रेटिंग से सम्मानित

- **सभी बड़े खनिज निष्कर्षण के लिये भारत में सबसे ज्यादा 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ही है**

रायपुर। अल्ट्राटेक सीमेंट की 15 लाइमस्टोन की खदानों को उनके सस्टेनेबल खान प्रबंधन के लिए खान मंत्रालय और भारतीय खान ब्यूरो द्वारा 5-स्टार रेटिंग दी गई है। अल्ट्राटेक सीमेंट को यह रेटिंग्स प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार माननीय केंद्रीय खान मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी द्वारा हाल ही में दिल्ली में आयोजित 'नेशनल कॉन्क्लेव ऑन माइंस एंड मिनरल्स' में एक सम्मान समारोह के दौरान प्रदान किये गए।

छत्तीसगढ़ में अल्ट्राटेक की तीन खानों को पांच सितारा रेटिंग से सम्मानित किया गया। इनमें रावन सीमेंट वर्क्स, हिरमी सीमेंट वर्क्स और बैकुंठ सीमेंट वर्क्स, रायपुर के करीब स्थित सभी इकाइयां शामिल हैं। रावन सीमेंट वर्क्स, हिरमी सीमेंट वर्क्स और बैकुंठ सीमेंट वर्क्स अल्ट्राटेक सीमेंट की एकीकृत सीमेंट निर्माण इकाइयां हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट को पिछले तीन सालों में (2017-18, 2018-19 और 2019-20) कुल 30 ऐसे 5- स्टार रेटिंग पुरस्कार दिए गए है। भारत की कंपनियों में सबसे ज्यादा 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ही है जिसे सभी बड़े मिनरल्स जैसे की बॉक्साइट, कॉपर, आयरन ओर, मैंगनीज, लेड, ज़िंक और लाइमस्टोन के लिए यह पुरस्कार मिला हैं। खान मंत्रालय द्वारा परिकल्पित, स्टार रेटिंग खनन में सस्टेनेबल विकास के ढांचे के लिए संपूर्ण और सफल क्रियान्वयन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए दिया जाता है। रेटिंग योजना में उच्चतम 5-स्टार रेटिंग उन खानों को दी जाती है, जिन्होंने वैज्ञानिक और कुशल खनन, अनुमोदित उत्पादन की सीमा का पालन, शून्य अपशिष्ट खनन, पर्यावरण संरक्षण, प्रगतिशील और अंतिम खदान बंद करने के लिए उठाए गए कदम, हरित ऊर्जा का उपयोग, अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाना, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और कल्याण कार्यक्रम, पुनर्वास और अन्य सकारात्मक सामाजिक प्रभाव जैसे मानकों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी-01, श्री सहज राम पोपटानी पिता स्व. श्री देवनदास पोपटानी के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 5427 दिनांक 24.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 22.11.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त लिया गया है। मूल आबंटी श्री सहज राम पोपटानी पिता स्व. श्री देवनदास पोपटानी की मृत्यु दिनांक 27.05.2017 को हो जाने के कारण उनके उत्तराधिकारी पौत्र श्री अनमोल पोपटानी पिता श्री मुकेश पोपटानी निवासी-बी-16, सेक्टर 02 देवेन्द्र नगर रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अतः उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-10, अमलीडीह सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास,
Email: rmczone10@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 340/2021-22
वार्ड का नाम- गुरू घासीदास-49

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि गुरू घासीदास-49 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 49/नया अमेय विहार जो कि निगम अभिलेख में श्री शैलेष कुमार s/o रामधन सोनी के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती चंचल चन्द्राकर w/o भूपेन्द्र चन्द्राकर ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर**
जोन क्र.-10
नगर निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-3, शंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
Email nagarnigamzone3@gmail.com

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 221/21-22
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई-10

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि रानी लक्ष्मीबाई-10 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ अशोका रतन 15/302 जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती मीरा चंदेल w/o विजय कुमार चंदेल, वैभव के नाम से दर्ज है, जिसको श्री विशाल सिंह चंदेल, 2. वैभव सिंह चंदेल के पिता विजय कुमार चंदेल रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

दिनांक 1/12/21 **जोन आयुक्त**
जोन क्रमांक-3
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 342/2021-22
वार्ड का नाम- पं. भगवतीचरण शुक्ल-57

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. भगवतीचरण शुक्ल-57 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 57/34/228 कटोरा तालाब जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती सुवाबाई पति मदनलाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती पुष्पा सोनी पति गोपाल सोनी ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर**
जोन क्र.-04
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रं./202111082200028/
अ-20(1)2021-22

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक राजेन्द्र गुप्ता पिता अनंतराम गुप्ता साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित भूमि शीट क्र. 15 बी. भूखंड क्र. 53, कुल क्षेत्रफल 192.00 वर्गमीटर भूमि जो नजूल जांच रजिस्टर वर्ष 74/75 में धारक अनंतराम गुप्ता पिता ठुरबुज गुप्ता साकिन कवर्धा के नाम पर दर्ज है। मूल धारक अनंतराम गुप्ता की मृत्यु दिनांक 01.02.2019 को हो जाने के फलस्वरूप आवेदक द्वारा नजूल भूमि का मूल धारक के समस्त वारिस श्रीमती भगवती बाई बेवा अनंतराम, श्यामलाता उर्फ मुन्नी, पुष्पलता उर्फ बेबी, संतोषी, राजेन्द्र, रमेश, छबेन्द्र गोवर्धन पिता अनंतराम साकिन कवर्धा के संयुक्त नाम पर निर्धारण हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 29.12.2021 को नियत की गई है।

अतएव इस निर्धारण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 29/12/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/11/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 29.11.21
पेशी दिनांक 29.12.21
मुहर **नजूल तहसीलदार**
कबीरधाम

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रं./202111082200029/
अ-6 वर्ष 2021-22

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक राजेन्द्र गुप्ता पिता अनंतराम गुप्ता साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित भूमि शीट क्र. 16 बी. भूखंड क्र. 150, कुल क्षेत्रफल 44.00 वर्गमीटर भूमि जो नजूल जांच रजिस्टर वर्ष 74/75 में धारक अनंतराम गुप्ता पिता ठुरबुज गुप्ता साकिन कवर्धा के नाम पर दर्ज है। मूल धारक अनंतराम गुप्ता की मृत्यु दिनांक 01.02.2019 को हो जाने के फलस्वरूप आवेदक द्वारा नजूल भूमि का मूल धारक के समरूत वारिस श्रीमती भगवती बाई बेवा अनंतराम, श्यामलाता उर्फ मुन्नी, पुष्पलता उर्फ बेबी, संतोषी, राजेन्द्र, रमेश, छबेन्द्र गोवर्धन पिता अनंतराम साकिन कवर्धा के संयुक्त नाम पर निर्धारण हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसकी सुनवाई दिनांक 29.12.2021 को नियत की गई है।

अतएव इस नामांतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 29/12/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/11/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 29.11.21
पेशी दिनांक 29.12.21
मुहर **नजूल तहसीलदार**
कबीरधाम

न्यायालय नजूल अधिकारी जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रं./ई.पंजी.202111082200040/
अ-20(1), वर्ष 2021-22

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक रामगोपाल सोनी पिता मुरलीधर सोनी साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नगर नजूल कवर्धा स्थित शीट क्रं. 16ए भू-खण्ड क्रमांक 39 क्षेत्रफल 387.00 वर्गमीटर भू-खण्ड नजूल अभिलेख नजूल जांच रजिस्टर वर्ष 75-75 में धारक कृष्ण कुमार आ. रामेश्वर सोनी साकिन कवर्धा के नाम पर दर्ज है।

आवेदक रामगोपाल सोनी पिता मुरलीधर सोनी साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा शीट क्रं. 16ए भू-खण्ड क्रमांक 39 क्षेत्रफल 387.00 वर्गमीटर में से 14.45 व.मी. भूखंड को रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 06.01.1993 के द्वारा विक्रेता जमुना बाई बेवा कैलाश प्रसाद जाति सोनार से क्रय कर निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः इस निर्धारण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 16/12/21 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं। अतः आज दिनांक 16/11/2021 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक 16.11.21
पेशी दिनांक 16.12.21
मुहर **नजूल जांच अधिकारी**
कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार स. लोहारा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202111083000018
अ-6 वर्ष 2021-22
ग्राम- बिरेन्द्रनगर प.ह.नं. 27

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासीगण ग्राम-बिरेन्द्रनगर रा.नि.मं. विरेन्द्रनगर तहसील स. लोहारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर जिला-रायपुर ने वक्फ संपत्तियों को शासकीय राजपत्र दिनांक 25.08.1989 में दर्ज खसरे का विवरण अनुसार राजस्व अभिलेख में दुरूस्त किए जाने बाबत आवेदन अंतर्गत धारा 110 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत कर ग्राम बिरेन्द्रनगर प.ह.नं. 27 तहसील सहसपुर लोहारा स्थित भूमि ख.नं. 837/1 में से रकबा 0.202 हे. भूमि "**छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड अहस्तांतरित**" के नाम पर दर्ज किया जाने हेतु आवेदन पत्र शासकीय राजपत्र दिनांक 25.08.1989 की छायाप्रति सहित पेश किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 08.12.2021 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/ आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 18.11.2021
पेशी दिनांक - 08.12.2021

संवाद-30645/2 **तहसीलदार**
सहसपुर लोहारा

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 341/2021-22
वार्ड का नाम- पं. भगवतीचरण शुक्ल-57

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. भगवतीचरण शुक्ल-57 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 57/एलआईजी-18 कटोरातालाब जो कि निगम अभिलेख में श्रीमती डी. अनुराधा पति डी. लक्ष्मण राव के नाम से दर्ज है, जिसको श्री पारस कोडवानी पिता मुरली कोडवानी ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर**
जोन क्र.-04
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम (जोन-4), रायपुर (छ.ग.)
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी मोतीबाग चौक

//ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना //

नामांतरण प्र.क्र. 335/2021-22
वार्ड का नाम- पं. भगवतीचरण शुक्ल-57

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. भगवतीचरण शुक्ल-57 वार्ड स्थित मकान/ भूमि/ 57/321 पु. 285 बैरन बाजार जो कि निगम अभिलेख में श्री दीपक नायडू पिता स्व. कुमार स्वामी नायडू के नाम से दर्ज है, जिसको 1. श्री मो. आरिफ पटेल पिता मरहूम अब्दुल वाहिद पटेल 2. मो. आदम पटेल पिता मरहूम अ. वाहिद पटेल 3. मोहम्मद अतीक पटेल पिता मरहूम अब्दुल वाहिद पटेल 4. अ. रहमान पटेल पिता मरहूम अ. वाहिद पटेल ने शपथ पत्र/ रजिस्ट्री के अनुसार/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर दस्तावेजों के साथ प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जाने। **जोन कमिश्नर**
जोन क्र.-04
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी-21, जयप्रकाश चौहान पिता स्व. श्री के.एच. चौहान के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 5417 दिनांक 24.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 20.11.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त लिया गया है। मूल आबंटी जयप्रकाश चौहान पिता स्व. के.एच. चौहान की मृत्यु दिनांक 01.08.2020 को हो जाने के कारण उनके उत्तराधिकारी पुत्र अमित चौहान पिता स्व. श्री जयप्रकाश चौहान निवासी- ई-58, सेक्टर 01, देवेन्द्र नगर रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अतः उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. सी-08, श्री जुगल किशोर अग्रवाल पिता स्व. श्री प्रेमनारायण अग्रवाल के नाम पर इस कार्यालय का आबंट आदेश क्रमांक 5488 दिनांक 24.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 03.01.2013 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त लिया गया है। मूल आबंटी श्री जुगल किशोर अग्रवाल पिता स्व. श्री प्रेमनारायण अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 30.08.2020 को हो जाने के कारण उनके उत्तराधिकारी श्री दिनेश कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री रामसुंदर अग्रवाल, निवासी- शुक्रवारी बाजार रोड, गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अतः उक्त दुकान के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सड्डू कालोनी, रायपुर में स्थित एलआईजी भवन क्रमांक-536 डा. आनंद पाठक पिता श्री सुरेन्द्र प्रसाद पाठक को इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक 150 दिनांक 01.10.2011 के माध्यम से नामांतरित है। वर्तमान में नामांतरी डा. आनंद पाठक पिता श्री सुरेन्द्र प्रसाद पाठक निवासी- एलआईजी-536, सेक्टर 04, हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, विक्रय इकरारनामा तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन को क्रेता श्री चन्द्र कुमार ठाकुर पिता स्व. श्री गुलजारी लाल ठाकुर निवासी- एलआईजी-862, हाउसिंग बोर्ड कालोनी सड्डू तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के विक्रय करने के लिए इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-2, रायपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण संभाग रायगढ़ (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-2001/NIT-4,5,6/2021-2022/व.ले.लि. दिनांकः 27/11/2021
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 07/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 08/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 09/12/2021 पूर्वान्ह 11.30 बजे बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्रं.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु. में) बैंक साल्वेंसी राशि (रु. में)
1	2	3
4 T0019	धरमजयगढ़ हाटी मार्ग के कि.मी. 39/2 पर झांपी नाला पर विशेष मरम्मत कार्य। प्रथम आमंत्रण	3.14 2400.00 50000.00
5 T0020	धरमजयगढ़ हाटी मार्ग के कि.मी. 26/6 पर खदरवा नाला पर विशेष मरम्मत कार्य। प्रथम आमंत्रण	9.91 7500.00 150000.00
6 T0016	Under A/R चुल्हाखोल साजापाली मार्ग पर मांड नदी में पुल एवं पहुंच मार्ग में W.M.M. & B.T. कार्य। द्वितीय आमंत्रण	19.99 15000.00 300000.00

निविदा प्रपत्र की कीमत (रु में) 750.00 प्रत्येक, निविदाकरों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' तक, कार्य की अवधि एन.आईटी. क्रं. 4 एवं 5 हेतु 01 माह 15 दिन वर्षा ऋतु सहित एवं एन.आई.टी. क्रं. 6 हेतु 3 माह वर्षा ऋतु सहित।
टीप :- उपरोक्त विषयांकित कार्य नगरीय निकाय के चुनावीय क्षेत्र (आचार संहिता लागू) क्षेत्रांतर्गत नहीं आते हैं।
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी- 65482/3 **कार्यपालन अभियंता**
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण
संभाग, रायगढ़

पचास फीसदी बारदाने पर धान खरीदी की शुरूवात पहले ही दिन परेशान दिखे किसान

- बारदाने को लेकर किसानों में हड़कंप

गंडई पंडरिया। पूर्व में प्रशासन ने आदेश जारी कर किसानों को अपने धान बिक्री के लिए 25 फीसदी बारदाना उपलब्ध कराने की बात कही थी और 75 फीसदी बारदाना सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाना था। परन्तु खरीदी के पहले दिन किसानों के पचास फीसदी बारदाने पर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की गई। मिलरों से मिलने वाला बारदाना फिलहाल उपार्जन केन्द्रों में नहीं पहुंचा है। आगे बारदाना संकट गंभीर न हो इसके लिए बारदाने का पचास फीसदी किसान तथा पचास फीसदी ही बारदाना उपार्जन केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराया गया। गंडई नगर सहित बरबसपुर, हनिबन्द, लिमो, धोधा, ठंढार, दनिया सहित वनाचाल क्षेत्र के ठाकुरटोला, पैलीमेट, साल्हेवारा, सभी धान उपार्जन केन्द्रों में पचास फीसदी बारदाने पर धान खरीदी किया जा रहा है। अचानक नियमावली में परिवर्तन आने से किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। वहीं बाजार में बारदाना किल्लत और मांग के कारण बारदाने का दाम और बढ़ रहा है। नियम में अचानक हुये परिवर्तन से किसानों में हड़कम्प मच गया है।

धान खरीदी के प्रथम दिन जिला पंचायत सदस्य ममता राजेश पाल के द्वारा पूजा अर्चना कर धान खरीदी प्रारंभ किया गया।

बारदाने की किल्लत का फायदा उठा रहे है व्यापारी

धान खरीदी केंद्रों में बारदाने की किल्लत का बड़े व्यापारी खूब फायदा उठा रहे हैं। व्यापारियों के पास एक कट्टे बोरा की कीमत लगभग 50 से 60 रुपए बेच रहे। समय में टोकन नहीं कटने, बारदाने की किल्लत और भीड़ की वहज से कोचियों के पास धान बेचने किसान मजबूर दिख रहे और इस हालात का फायदा उठाने कोचिये भी सक्रिय हो गए हैं।

उतई उपचुनाव में प्रत्याशी चयन हेतु बैठक

उतई। नगर कांग्रेस कमेटी उतई की बैठक कांग्रेस कार्यालय बाजार चौक में आहूत की गई जिसमें वार्ड क्रमांक 05 में होने वाली उप चुनाव में पार्षद पद हेतु प्रत्याशी चयन संबंधी चर्चा हुई। सब एकजुट होकर पार्षद को जिताने की बात कांग्रेस अध्यक्ष बहादुर नेताम ने की। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, पार्षद तोषण साहू, पार्षद प्रह्लाद वर्मा, वीरेंद्र गोस्वामी, सुरता सिंह गढ़े, एल्डरमैन प्रेम नारायण साहू, शेखर वर्मा, तिलक साहू, भावेश साहू, शैलेश देवांगन, धनंजय नेताम आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर पंचायत उतई वार्ड 05 उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्यासी ने नामांकन दाखिल किया

उतई। नगर व्यापारी संघ अध्यक्ष व उतई के पूर्व जनपद सदस्य सतीश पारख ने आज अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार प्रीतम सिंह चौहान के समक्ष प्रस्तुत किया। नगर पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोहैल कुमार व प्रोफेसर व मास्टर ट्रेनर अवधेश श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। ज्ञात हो की 390 मतदाताओं वाले नगर पंचायत उतई का वार्ड 05 पार्षद विमला साहू के करोना काल में निधन के चलते रिक्त हुआ है। जहां 20 दिसंबर को उप चुनाव के लिए 27 नवंबर से नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ है। निर्दलीय नामांकन सतीश पारख ने दाखिल किया।

उतई व मचांदुर सोसाइटी में धान खरीदी का किया गया शुभारंभ

उतई । वृहताकार सेवा सहकारी समिति उतई में अध्यक्ष रूपनारायण शर्मा द्वारा समिति प्रबंधक गिरधर सोनी व समिति सदस्यों और किसानों की उपस्थिति में इलेक्ट्रॉनिक कांटे की पूजा अर्चना कर धान खरीदी का विधिवत शुभारम्भ किया।

जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष ने किया नया धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन

गंडई पंडरिया। गंडई अंतर्गत ग्राम ठंडार में ग्रामीणों की वर्षो पुरानी मांग पर नवीन धान उपार्जन केंद्र का शुभारंभ जिला सहकारी बैंक के जिला अध्यक्ष नवाज खान के द्वारा भूमिपूजन कर शुभारंभ कर किया। नवाज खान ने कहा कि सीएम भूपेश बघेल कभी किसानों को भटकने नहीं देंगे, वे किसानों के प्रति जितना ज्यादा हो सकें मदद और विकास दोनों चाहते हैं। वो खुद एक किसान पुत्र हैं और आज भी मुख्यमंत्री होने के बावजूद खुद खेती किसानी करते हैं। इसी कारण किसानों के दुख तकलीफ को बखूबी समझते हैं।

छात्रों ने शराब दुकान को हटाने की मांग: कार्यक्रम के बाद ग्राम ठंढार से गंडई रेस्ट हाउस लोगों से मुलाकात करने पहुंचे। जहां जिला अध्यक्ष से कन्या शाला हाई स्कूल के छात्रों ने बड़ी संख्या में रेस्ट हाउस पहुंच कर स्कूल परिसर के समीप संचालित हो रहे सरकारी शराब दुकान को हटाने की मांग की। छात्रों ने बताया कि कई बार नेताओं से शिकायत कर चुके हैं। मगर आज तक उस स्थान से शराब दुकान को नहीं हटाया गया है।

बिजली बिल की शिकायत : जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नवाज खान के बिजली बिल हाफके भाषण पर ग्रामीणों ने कहा कि हमें तो बिजली बिल हाफ का कोई फायदा नहीं हो रहा और हमारे घर के बिजली बिल अधिक आ रही।

किसानों से नहीं लिया जाएगा बारदाना

गुंडरदेही/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नए विपणन वर्ष में प्रारंभ किए गए धान खरीदी के पहले दिन ही सरकार की बारदाना नीति का जमकर विरोध होने लगा। धान खरीदी के लिए 25 फीसदी बारदाना किसानों से लेने के बेतुके आदेश का आज गुंडरदेही क्षेत्र के रजोली धान खरीदी केंद्र में खरीदी के पहले दिन ही जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर के नेतृत्व में किसानों ने विरोध किया और एक स्वर में कहा कि 25 प्रतिशत बारदाना किसान नहीं देंगे। धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व ही जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर ने शासन की बारदाना नीति का कड़ा विरोध करते हुए कहा था कि दाना दाना खरीदने की बात कहने वाली सरकार बारदाना नहीं खरीद पा रही है। उन्होंने किसानों से अपना बारदाना नहीं देने का आग्रह भी किया था। इसका व्यापक असर आज से शुरू हुए धान खरीदी में भी देखने को मिला और जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर के नेतृत्व में उनके विरोध के चलते आनन फानन में डिप्टी कलेक्टर श्री प्रधान को धान खरीदी केंद्र राजौली जाना पड़ा। विरोध के बाद डिप्टी कलेक्टर श्री प्रधान ने किसानों को आश्वस्त किया कि किसानों से एक भी बारदाना नहीं लिया जाएगा विपणन संघ और समिति मिलकर किसानों के लिए पूरे 100 फीसदी बारदाना की व्यवस्था करेगी। डिप्टी कलेक्टर के आश्वासन के बाद सुचारू रूप से धान खरीदी भी प्रारंभ हुई।

जिले के प्रभारी सचिव गुप्ता ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

- टोकन जारी करने में छोटे किसानों को प्राथमिकता दें
- किसानों से की रू-ब-रू चर्चा
- बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के प्रभारी सचिव हिमशिखर गुप्ता ने बुधवार को राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी का पहले ही दिन जायजा लिया। जिले के पाण्डुका व पोंड उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का जायजा लेते हुए किसानों से रूबरू चर्चा कर जानकारी ली, साथ ही इन केन्द्रों में निर्धारित स्टेकिंग बनाने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव द्वारा किसानों को समझाइश दी गई कि शासन द्वारा पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने समिति प्रबंधकों को पहले छोटे किसानों को प्राथमिकता देते हुए टोकन जारी करने के निर्देश दिये है। इसके अलावा स्टेकिंग, ड्रेनेज और तारपोलिन की व्यवस्था रखने कहा गया है। उन्होंने किसानों से धान को सुखाकर विक्रय हेतु लाने कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लक्ष्मी साहू , राजिम एस.डी.एम अविनाश भोई, छुरा एस.डी.एम श्रीमती शीतल बंसल, खाद्य, मार्कफेड विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। पाण्डुका उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण करते हुए श्री गुप्ता ने किसानों से चर्चा की और टोकन की जानकारी तथा धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था की जानकारी ली। ग्राम पाण्डुका के किसान मंगलु दास ने बताया कि उनके पास 4 एकड़ खेती है, जिसमें आज धान विक्रय हेतु टोकन मिला है। श्री गुप्ता ने मौके पर मॉस्चर मशीन से धान की नमी मापी, जो औसतन सही पाया गया।

पाण्डुका समिति प्रबंधक धर्मेन्द्र साहू ने बताया कि यहां अभी तक 20 हजार बारदाना प्राप्त हुआ है तथा कुल आज 32 किसानों का टोकन काटा गया है। यहां 1479 किसान धान विक्रय हेतु पंजीकृत किये गये है। इस वर्ष 54 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। ग्राम पोंड उपार्जन केन्द्र में श्री गुप्ता ने किसानों से चर्चा कर शासन की धान खरीदी नीति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बारदाने के पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। यहां 20 हजार बारदाना प्राप्त हो चुके है। आज यहां 850 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है एवं 26 किसानों का टोकन काटा गया है और कुल 1168 किसानों का पंजीयन किया गया है। तत्पश्चात गरियाबंद कृषि उपज मंडी का निरीक्षण करते हुए यहां आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए शासन द्वारा निर्धारित नीति के तहत धान खरीदी के निर्देश दिये।

सीसी रोड के लिए नपा अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

कवर्धा। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने वार्ड क्रमांक 01 अयोध्या धाम कॉलोनी में सीसी रोड़ निर्माण का भूमिपूजन किया। वार्डवासियों ने स्वच्छता के क्षेत्र में नगर पालिका परिषद कवर्धा को मिले पुरस्कार के लिए भी नगर पालिका अध्यक्ष का अभिनंदन किया। नपा अध्यक्ष ने वार्ड क्रं. 01 अयोध्या धाम कालोनी के निवासियों की मांग पर सीसी रोड़ निर्माण की स्वीकृति देते हुए भूमिपूजन किया।

नपाध्यक्ष ने भूमिपूजन कर वार्डवासियों सीसी रोड निर्माण के लिए बधाई दिया। उन्होनें कहा कि वार्डवासियों की मांग पर सीसी रोड़ की स्वीकृति दिया गया है जिसका आज भूमिपूजन कर दिया गया। कच्ची मार्ग होने के कारण वहां निवासरत परिवारों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था अब जल्द ही रोड़ बन जाने से आवागमन सुगम होगा।

रबी मौसम में धान की फसल लेना रहेगा प्रतिबंधित

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक ली। उन्होंने कहा कि रबी मौसम में धान की फसल लेना प्रतिबंधित रहेगा। धान के अलावा गेंहू, चना, मक्का एवं अन्य फसल ले सकते हैं। उन्होंने पेयजल विस्तार के लिए लगभग 25 प्रतिशत सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। सिंचाई के लिए 3 हजार 643 हेक्टेयर में रबी फसल हेतु प्रस्तावित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि रेत उत्खनन के लिए यदि कोई अवैध तरीके से एनीकट खोलता है तो उस पर एफआईआर दर्ज किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ मिनीरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष देवांगन गौरघाट आयेंगे

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम छत्तीसगढ़ मिनीरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) गिरीश देवांगन आज गरियाबंद जिले के गौरघाट आयेंगे। देवांगन प्रातः 8 बजे कार द्वारा रायपुर से प्रास्थान कर प्रातः 10:30 बजे गौरघाट जिला गरियाबंद पहुंचेगे। वे यहां पर नया धान खरीदी केन्द्र के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। पूर्वान्ह 11.30 बजे गौरघाट से रायपुर के लिए प्रस्थित होंगे।

कलेक्टर ने किया कोमा धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने पहले दिन कोमा उपार्जन केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में व्यवस्थाओ का अवलोकन कर जायजा लिया। समिति प्रबंधक ने बताया कि आज 35 टोकन जारी किया गया है। जबकि 28 हजार बारदाना प्राप्त हुआ है। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान धान की गुणवत्ता नाप कर उनकी नमी को देखा। उन्होंने किसानों के आशंका पर भरोसा दिलाया कि किसान निश्चिंत होकर धान विक्रय करें। सभी पंजीकृत किसानों का धान निर्धारित समय पर खरीदा जायेगा। उन्होंने जारी टोकन के अनुसार ही मंडी में धान लाने का आग्रह किया ताकि सुचारू व्यवस्था बनाई जा सके।

मुख्यमंत्री युवा स्व-रोजगार योजना अंतर्गत ऋण हेतु आवेदन आमंत्रित

गरियाबंद। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र गरियाबंद द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत वर्ष 2021-22 हेतु आवेदकों से 31 दिसम्बर 2021 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। मुख्यमंत्री युवा स्व रोजगार योजना छत्तीसगढ़ शासन का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसके तहत पात्र हितग्राहियों को सेवा, व्यवसाय एवं उद्योग इकाई के स्थापना हेतु राष्ट्रीयकृत बैंको के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिसके तहत व्यवसाय इकाई हेतु 2 लाख रूपये एवं सेवा इकाई हेतु अधिकतम राशि 10 लाख रूपये तथा उद्योग इकाई 25 लाख रूपये तक ऋण मुहैया कराया जाता है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक जो कम से कम आठवीं उत्तीर्ण हो।

गंडई के विधायक समर्थकों ने दिया जोगी कांग्रेस से इस्तीफा

गंडई पंडरिया। पिछले दिनों खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवव्रत सिंह के निधन होने के बाद लगातार खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में नया समीकरण पैदा हो रहा है। इसी कड़ी में राजा देवव्रत सिंह की बेटी सताक्षी सिंह सिया ने 30 नवम्बर को खैरागढ़ पैलेश में अपने पापा के कट्टर समर्थकों के साथ बैठक कर आगामी दिनों के लिए रूप रेखा तैयार करते नजर आई। इस मौके पर उनकी मां और राजा देवव्रत सिंह की पूर्व धर्मपत्नी पदमा देवी सिंह भी उपस्थित रही। बैठक में खैरागढ़ से लेकर छुईखदान गंडई साल्हेवारा क्षेत्र के स्वः विधायक देवव्रत सिंह के कट्टर समर्थक बड़े संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में गंडई के उनके समर्थक और ऊर्जावान कार्यकर्ता भूषण मणि झा, रवि रजक, असरफ सिद्दकी, निप्पू रजक, सादिक खान, सतीश जांगड़े, आकिब खान, निशार खान ने लिखित में जनता कांग्रेस से इस्तीफा उनकी बेटी सताक्षी सिंह को दिया। इन युवाओं के इस्तीफे के बाद से इस क्षेत्र में जनता कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा। वही पार्टी की स्थिति जमीनी स्तर पर भी कमजोर होने के आसार है। पिछले चुनाव में इन्हीं युवाओं के बल बूते पर विधानसभा जीता था। ज्ञात हो कि पिछले विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस से निर्दलीय के रूप नया पार्टी से चुनाव लड़ने के घोषणा के बाद राजा देवव्रत सिंह के पास गिनते के कार्यकर्ता बचे थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओमिक्रॉन के खौफ के...

का सुचारू रूप से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करने की सलाह दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 'चिंताजनक स्वरूप' के रूप में वर्णित ओमिक्रॉन के 14 से ज्यादा देशों में मामले आ चुके हैं।

धान खरीदी केन्द्रों...

सुचारू एवं पारदर्शी संचालन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इन नोडल अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन धान खरीदी तथा अन्य व्यवस्था व समस्याओं से संबंधित स्थितियों की मॉनिटरिंग की जानी है। मुख्य सचिव ने धान खरीदी केन्द्रों के नियमित निरीक्षण और परीक्षण के लिए सेक्टर बनाकर जोनल अधिकारियों की तैनाती का निर्देश दिया है। ये जोनल अधिकारी अपने प्रभार के धान खरीदी केन्द्रों में नियमित रूप से भ्रमण करेंगे और व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पादित कराएंगे। खरीदी के दौरान केंद्रों पर गश्त बढ़ाएगी पुलिस : मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने खरीदी केंद्रों में विवाद की स्थिति रोकने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने तकनीकी क्षमताओं और स्थानीय लोगों की मदद से धान खरीदी केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने और ऐसे अप्रिय कार्यों में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने धान खरीदी केंद्र में पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया है।

सिंघु बार्डर पर ...

पारित कर दिया गया था।

4 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक रद्द होने के सवाल पर सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा, बैठक 4 दिसंबर को होनी है। आज की बैठक किसान संगठनों के बीच की थी। उन्होंने कहा कि चूंकि सरकार ने अभी तक सारी मांगे नहीं मानी हैं, इसलिए आंदोलन जारी रहेगा। टिकैत ने कहा कि 4 दिसंबर को होने वाली बैठक में आंदोलन के आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

अयोध्या सूर्यवंश की राजधानी...

भारतीय होगा, जो अयोध्या पर गौरव की अनुभूति न करता हो? प्रभु श्री राम और धर्म अलग-अलग नहीं हो सकते, यह एक दूसरे के पूरक हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि तत्कालीन सरकारें सेक्युलर होने का दिखावा कर रही थीं, भारत और भारतीयता से मुंह मोड़ने का प्रयास कर रही थीं, तब महर्षि महेश योगी जी ने विश्व के समक्ष भारत की बात को पूरी दृढ़ता से रखने का साहस किया।

प्रदेश के कर्मचारियों को ...

तीन किश्तों का भुगतान कर्मचारियों को कर दिया गया है। राज्य शासन के निर्णय अनुसार चौथे किश्त के रूप में अब अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2016 तक के बकाया वेतन का भुगतान किया जाएगा।

पंजाब में बन सकता ...

कानूनों को वापस लेने का एलान भी चुनावी रणनीति के तहत प्रदेश के भाजपा नेताओं और शिअद और कैप्टन के अनुसार ही किया है। गुरुपर्व के मौके पर बड़े एलान के बाद खासकर भाजपा नेताओं को बड़ी राहत मिली है। किसान अब उनका विरोध कम करते दिखाई दे रहे हैं। मालवा एरिया के दस जिलों की बात की जाए तो वहां के किसानों में पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पकड़ मजबूत थी। अब कैप्टन के पिछले साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल ने उक्त पकड़ को पूरी तरह से ढीला कर दिया। सूत्रों के अनुसार दिल्ली में धरना दे रहे पंजाब के किसानों का एक राजनीतिक दल भी जल्दी ही चुनाव मैदान में आ सकता है जो किसान वोट बैंक पर सभी पार्टियों के लिए चुनौती पैदा करने का काम करेगा।

हरियाणा के किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने भी पंजाब विधान सभा चुनाव में प्रदेश की 117 सीटों पर चुनाव लडने का एलान कर दिया है पर अब तक चढ़ूनी की ओर से प्रदेश में चुनावी हलचल तेज नहीं की गई है।

संख्या-भा.ति.सी.पु./38वीं वाहिनी/ग्रैन शॉप/सूखा राशन की आपूर्ति/निविदा/2021-586

कार्यालय सेनानी, 38वीं वाहिनी
भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल
गृह मंत्रालय (भारत सरकार)
पत्रालय-खरोरा, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़)-493225
'' ई-निविदा सूचना ''

भारत के महामहिम राष्ट्रपति की ओर से सेनानी, 38वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, द्वारा निर्माता/योग्य सप्लायरों से सूखा राशन आपूर्ति हेतु दिनांक - 23/12/2021 को 1100 बजे तक द्वि-बोली पद्धति (तकनीकी और वित्तीय बोली) खोली जायेगी।

अनुमानित लागत :- रु. 90,00,000/-
बयान धनराशि :- रु. 1,80,000/-
महत्वपूर्ण तिथियां -

प्रतिस्पर्धा	दिनांक	समय
प्रकाशन तिथि	01/12/2021	1100 बजे
निविदा फार्म डाउनलोड हेतु आरंभ तिथि	02/12/2021	1000 बजे
निविदा फार्म डाउनलोड हेतु अंतिम तिथि	22/12/2021	1100 बजे
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि	02/12/2021	1600 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	22/12/2021	1600 बजे
निविदा खोलने की तिथि	23/12/2021	1100 बजे

नोट :-
1. संपूर्ण निविदा की जानकारी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की वेबसाईट www.itbp.gov.in और सैन्ट्रल पब्लिक प्रौक्यूरमेन्ट पोर्टल www.eprocure.gov.in पर उपलब्ध रहेगी। निविदा सूचना में किसी प्रकार की बदली/संशोधन होने पर इसकी सूचना सिर्फ इसी वेबसाईट पर उपलब्ध कराई जायेगी। फर्मों से अनुरोध है कि इस संबंध में अपडेट हेतु व नियमित तौर पर उक्त वेबसाईट को चैक करते रहे।
2. निविदा फार्म सीधे तौर पर स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
3. ई-निविदा अपलोड करने हेतु फर्मों का www.eprocure.gov.in वेबसाईट पर पंजीकृत होने के साथ-साथ आई.टी. एक्ट -2003 के तहत सी.सी.ए. द्वारा जारी वर्ग- III डिजिटल सिग्नेचर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।
4. ऑनलाइन निविदा जमा करने के संबंध में सी.पी.पी. पोर्टल के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए 24x7 सी.पी.पी. पोर्टल के टोल फ्री नं. 1800-233-7315 पर संपर्क करें।
5. उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण करने के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत उत्पन्न होने पर निम्न टेलीफोन नं. या ई-मेल आई.डी. पर संपर्क किया जा सकता है :-

सेनानी, 38वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल,
खरोरा, जिला- रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल comdt38thbn@itbp.gov.in
फोन नं.-07720-285366

सेनानी
38वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पुलिस बल
कृते एवं भारत के माननीय राष्ट्रपति की ओर से

davp 19112/11/0159/2122

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे
फोन व फैक्स : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

न्यूज गैलरी

पीपरछेड़ी सोसायटी की व्यवस्था देखने पहुंची विधायक

बालोद/नवप्रदेश। सोसायटी में टोकन कटवाने के दौरान हुई भगदड़ के मामले में पीपरछेड़ी सोसायटी का जायजा लेने के लिए धान खरीदी के पहले दिन विधायक संगीता सिन्हा भी पहुंची। उन्होंने सोसायटी प्रबंधन को आमने-सामने बैठाकर वहां के हालातों की जानकारी ली। विगत दिनों की घटना को लेकर नाराजगी जाहिर की। विधायक ने सख्त रूख से चेताया कि आगे कोई गलती नहीं होनी चाहिए। किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्हें टोकन कटवाने के लिए पूरी सुविधा देनी है। भगदड़ किन कारणों से हुई है इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों से भी जवाब मांगा गया। तो साथ ही शासन प्रशासन द्वारा वहां के प्रबंधक को निलंबित भी किया गया है। अन्य अधिकारी कर्मचारी ऐसी गलती ना करें इसके लिए सभी को हिदायत दी गई व व्यवस्थित ढंग से धान खरीदी करने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान संजय चंद्राकर, कृष्णा दुबे, चंद्रेश हिरवानी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष , विधायक प्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

नए धान खरीदी केंद्रों का शुभारंभ

भटगांव/नवप्रदेश। 1 दिसंबर से किसानों का धान खरीदना शुरू हो गया है। सरकार के समर्थन मूल्य पर भटगाव, सलौनिकला, जोरा,धनगाव,धान उपार्जन केंद्रों में किसानों का धान खरीदा जा रहा है। किसान टोकन कटाकर धान बेच रहे हैं। धान खरीदी के पहले ही दिन किसानों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिल रही है। उपार्जन केंद्रों में पूजा अर्चना के साथ रिबन काटकर धान तौल की शुरुवात की गई।

आपको बताते चलेकिं धान उपार्जन केंद्र भटगांव में शुरू ही दिन 14 किसानों ने टोकन कटवाया। जबकि जमगहन में 7 किसान टोकन कटाया और धान बेची। इसी तरह क्रमशः जोरा में 11किसानों का टोकन काटा गया और 36 किसानों का धान खरीदा गया। साथ ही उपार्जन केंद्र सलौनीकला में 1 किसान ने टोकन कटवाया, तो वहीं धनगांव उपार्जन केंद्र में 4 किसानों ने टोकन कटाकर धान बेची।

सभी उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध कराया गया है तांकि किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। राजेश आदित्य समिति प्रभारी भटगाव - ने बताया कि आज 14 टोकन किसान के लिए काटा गया है। दस हजार बारदाना उपलब्ध है।

यंग एचीवर्स अवार्ड से सम्मानित हुए अरुण

भाटापारा/नवप्रदेश। मैट्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अरूण छाबड़ा बंटी को छत्तीसगढ़ यंग एचीवर्स अवार्ड से रायपुर दक्षिण के विधायक कुलदीप जुनेजा एवं शिक्षाविद जवाहर सूरीसेटटी ने संम्मानित किया। नगर में समाज सेवा के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके अरुण बंटी छाबड़ा को यंग एचीवर्स का अवार्ड मिलने से शहर के लोगों में अपार हर्ष है। बलौदाबाजार भाटापारा, रायपुर जिले में अपनी सेवा भावना से जनता के लिए अत्यंत सराहनीय कार्यों को मूर्त रूप देने, कोरोना के भीषण संक्रमण काल मे लगभग 2000 से अधिक लोगों की निःस्वार्थ सेवा पूर्ण सक्रियता के साथ करने साथ ही भाटापारा नगर एवं क्षेत्र के लिए आप अपने स्वर्गवासी पिता की पुण्यस्मृति में शव वाहन (स्वर्ग रथ) की अत्यावश्यक निःशुल्क सेवा से करौंना यौध्दा के रुप मे अपनी पहचान बनाई हैं। विदित हो बंटी छाबड़ा अन्य गतिविधियों स्वास्थ्य विभाग, खेल, सांस्कृतिक, साहित्य एवं बल्ड डोनेशन सेवा भावना एवं भावी पीढ़ी को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के मूल मंत्र के साथ लगातर अपनी सक्रियता का परिचय देते रहे हैं।

विश्व एड्स दिवस का आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में 1 दिसंबर विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया तथा जागरूक संबंधी विभिन्न नारे लगाए। तत्पश्चात रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने एड्स जागरूकता थीम पर रंगोली बनाई। जिसमें प्रथम लुखिना, द्वितीय दिव्या एवं तृतीय स्थान पर शालिनी ने प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डा. सुमन बघेल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी राम कुमार ध्रुर्वा तथा यूथ रेडक्रास प्रभारी डा. बसंत सोनबेर द्वारा संचालित किया गया।

स्कूलों में विश्व एड्स दिवस मनाया गया

कवर्धा/नवप्रदेश। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला इंदौरी में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को एड्स रोग के लक्षण एवं बचाव संबंधित जानकारी दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इंदौरी के प्रभारी सुरेंद्र चंद्रवंशी ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि संक्रमित ब्लड से एड्स रोग बढ़ता है इसलिए लाइसेंस युक्त ब्लड बैंक में खून चढ़वाना चाहिए । उन्होंने कहा कि झोलाछाप डॉक्टरों से अपनी जांच नहीं कराना चाहिए स्वास्थ्य ठीक ना होने की स्थिति में निकटतम के स्वास्थ केंद्रों में जाना चाहिए। श्री चंद्रवंशी ने बताया कि संक्रमित सुई से रोग होता है, इसलिए हर बार नई सुई का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में एड्स रोग के जांच और उपचार दोनों संभव है। बस इस रोग में जीवनपर्यंत निरंतर दवाओं का सेवन करते रहना पड़ता है। श्री चंद्रवंशी ने यह भी कहा कि यदि किसी को एड्स रोग हो गया तो वह व्यक्ति सामान्य जीवन तो जी सकता है परंतु उसे स्वस्थ रहने के लिए नियमित दवाइयों का सेवन करते रहना होगा।

410 बोरी अवैध धान जब्त किया गया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश पर अवैध धान परिवहन पर जिले में कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में डोंगरगढ़ विकासखंड के बोरतलाव अंतर्गत सीमावर्ती चेकपोस्ट में आज सुबह महाराष्ट्र तुमसर से उरला रायपुर की ओर जाते हुए एक ट्रक जिसमें करीबन 410 बोरी अवैध धान पाया गया। जिसमें दस्तावेज का परीक्षण कर अवैध धान परिवहन से संबधित जानकारी राजस्व अधिकारियों और कृषि उपज मंडी विभाग को सूचित किया गया है और अवैध धान जब्त किया गया।

एड्स के प्रति जागरूकता के लिए पोस्टर, रंगोली व स्लोगन स्पर्धा में दिए संदेश

विश्व एड्स दिवस के अवसर जिले में हुए विविध आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। एचआईवी.एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले में विविध आयोजन किए गए। नर्सिंग महाविद्यालय में जहां पोस्टर, रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई, वहीं शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। अस्पतालों में भी एचआईवी-एड्स के कारण, लक्षण, खतरे व बचाव से संबंधित जानकारियों वाले बैनर और पोस्टर लगाए गए।

एचआईवी-एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम कलेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी व जिला नोडल अधिकारी डॉ. अल्पना लूनिया के निर्देशन में आयोजित किए गए।

इस अवसर पर जिला एवं विकासखंड स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शहर के नर्सिंग महाविद्यालय में एचआईवी-एड्स के कारण, लक्षण, खतरे व बचाव पर केंद्रित पोस्टर, रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नर्सिंग छात्रों ने एक से बढ़कर एक प्रेरक आकृतियां उकेर कर लोगों को एड्स से बचाव हेतु जागरूक करने का प्रयास किया। इसके अलावा शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के समाज

कल्याण विभाग के छात्र-छात्राओं ने राजीव नगर एवं नंदई चौक में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर लोगों को एचआईवी-एड्स के संबंध में जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान लोगों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित (बिना कंडोम के) यौन संबंध बनाने, संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित इंजेक्शन लगाने व संक्रमित माता-पिता से होने वाली संतान को एचआईवी व सिफलिश होने का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या से बचने के लिए सही व संपूर्ण जानकारी जरूरी है।

स्वयं सेवी संस्था लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के द्वारा कमला कालेज चौक में हस्ताक्षर अभियान और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के द्वारा ही कौरिनभांठा वार्ड में रंगोली, मेहंदी तथा चित्रकारी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी प्रकार स्वयं सेवी संस्था लिंक वर्कर के द्वारा घुमका महाविद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हरडुवा व नारायणगढ़ के छात्र-छात्राओं एवं स्टॉफको भी एचआईवी-एड्स के संबंध में जागरूक करने का प्रयास किया गया।

इस संबंध में राजनांदगांव के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया, एचआईवी-एड्स नियंत्रण की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सावधानी ही एड्स से बचाव है। इस आशय का प्रचार-प्रचार करते हुए लोगों को सावधान करने हेतु स्वास्थ्य विभाग सजग है। एक दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले में भी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को एड्स से बचाव हेतु जागरूक करने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में विभिन्न स्थानों पर जन-जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम किए गए तथा अस्पतालों में प्रेरक बैनर व पोस्टर लगाए गए हैं।

एचआईवी-एड्स के प्रति महिलाओं में बढ़ी जागरूकता

राज्य के एनएफएचएस-5 के आंकड़ों में यह बात सामने आई है कि पहले जहां 20 प्रतिशत महिलाओं को ही एचआईवी एड्स की जानकारी थी, वहीं अब 23 प्रतिशत महिलाओं को एचआईवी एड्स के बारे में पर्याप्त जानकारी है। इसके अतिरिक्त पहले 57 प्रतिशत महिलाएं ही जानतीं थीं कि शारीरिक संबंध के दौरान कंडोम के प्रयोग से एचआईवी एड्स से बचा जा सकता है, वहीं अब लगभग 76 प्रतिशत महिलाओं को इस बारे में पता है।

ट्रेलर की टक्कर से हेडमास्टर की मौत

■ बेटे की हालत गंभीर

■ गुस्साए लोगों ने 3 घंटे तक नागपुर-रायपुर हाईवे जाम किया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में एक हेडमास्टर की मौत हो गई। वह बाइक से अपने बेटे के साथ स्कूल जा रहे थे, तभी पीछे से आए ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल है। बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे से गुस्साए लोगों ने करीब 3 घंटे तक नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे जाम करके रोष जताया। एसडीएम प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश दी, तब जाकर लोगों ने 3 घंटे बाद चक्काजाम खत्म किया है।

पार्रीकला निवासी भाऊदास रामटेके (56) अपने बेटे संजय रामटेके (22) के साथ स्कूल जाने के लिए बस स्टैंड जा रहे थे। सुबह 6.45 बजे उनकी बाइक हाईवे में स्थित पार्रीकला चौक के पास पहुंची थी, तभी ये हादसा हो गया। संजय हाईवे में बने मिडिल कट से दूसरी तरफ जा रहा था। हादसे के बाद ट्रेलर का ड्राइवर मौके से भाग निकला। पुलिस का कहना है कि वह ड्राइवर का पता लगा रही है। बताया जा रहा है कि भाऊदास मानपुर ब्लॉक के बोरिया ठेकेदारी के सरकारी स्कूल में हेडमास्टर के रूप में पदस्थ थे। गांव से स्कूल की दूरी करीब 75 किलोमीटर है। कोतवाली पुलिस से भी मामले की शिकायत की गई है।

बारदानों की कमी के बीच शुरू हुई जिले में धान खरीदी

बालोद/नवप्रदेश। बारदानों की समस्या के बीच जिले भर में धान खरीदी शुरू हो चुकी है। शासन प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की जा रही है कि वह स्वयं के बारदाने से धान बेचने के लिए ला सकते हैं पर कई किसान खुद बारदाने की समस्या से जूझ रहे हैं तो वे परेशानी भी महसूस करने लगे हैं। ऐसे में खरीदी भी प्रभावित होने का डर सता रहा है। हालांकि अधिकारियों का यह भी कहना है कि शासन से वर्तमान बारदाने तो पर्याप्त है। लेकिन किसानों का जितना सहयोग मिले उतना अच्छा है। ताकि खरीदी प्रभावित ना हो और सतत चलती रहे। धान खरीदी पर भाजपाइयों द्वारा भी नजर रखी जा रही है। कई विभिन्न केंद्रों में भाजपाइयों का दल खरीदी के पहले दिन का निरीक्षण करने के लिए भी पहुंची और बारदानों की समस्या से अवगत हुए। इस क्रम में भाजपा नेता सुरेंद्र देशमुख, अरुण साहू सहित अन्य सांकरा ज सोसायटी पहुंचे। जहां निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार देवांगन भी पहुंची थी। उनसे स्पष्ट पूछा गया कि क्या किसानों को बारदाना लाना जरूरी है। तो नायब तहसीलदार ने कहा कि हम किसानों से सहयोग की अपील कर रहें हैं वे बारदाना नहीं लाएंगे उनका धान नहीं खरीदेंगे, ऐसी कोई बात नहीं है। लेकिन किसानों को प्रेरित किया जा रहा है बारदाना की समस्या फिलहाल नहीं है। वही सोसायटी के अध्यक्ष छगन देशमुख ने कहा कि कई किसान स्वेच्छा से ही 25त्न बारदाना ला रहे हैं। उनका धान खरीदा जा रहा है। बाकी अगर किसी किसान के पास बारदाना उपलब्ध नहीं है तो भी उनका धान हम खरीदेंगे।

खपरी में शुरू हुआ नया केंद्र, विधायक ने खुद तौल कर किया उद्घाटन

बालोद ब्लाक के ग्राम खपरी (लाटाबोड़) में इस साल से नवीन धान खरीदी केंद्र की शुरुआत की गई है। विधायक संगीता सिन्हा के अनुशंसा से किसानों को यह सौगात मिली है। जहां 1 दिसंबर पहले दिन ही धान खरीदी शुरू हो गई। खरीदी का शुभारंभ करने के लिए विधायक संगीता सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची। जिन्होंने स्वयं धान तौल कर इस साल की खरीदी सत्र का शुभारंभ किया। नया खरीदी केंद्र खुलने से किसानों में काफी उत्साह है अब किसानों को लाटाबोड़ धान बेचने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। आसपास के गांव के किसान को अब नजदीक में धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इससे दूरी कम होगी समय भी बचेगा। नवीन धान खरीदी केंद्र खपरी में धान खरीदी शुभारंभ पर संजय चंद्राकर, कृष्णा दुबे, चंद्रेश हिरवानी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव, लाटाबोड़ सरपंच गंगा राम साहू, पूनम साहू जनपद सदस्य, खपरी के सरपंच, लता साहू दिनेश, प्रमोद शर्मा ओमप्रकाश समिति अध्यक्ष बघेल सहित कृषक मौजूद रहे।

किसान बढ़ रहे आर्थिक उन्नति की ओर : कलीम

■ हर दाने की कीमत जानती है सरकार

कवर्धा/नवप्रदेश। 1 नवंबर से विधिवत पूजा अर्चना कर धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया गया इसके साथ ही धान खरीदी केंद्रों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं को दूर करने कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने किसानों के साथ अपना संपर्क नंबर साझा किया। मनरेगा छत्तीसगढ़ शासन के सदस्य मोहम्मद कलीम खान मुख्य अतिथि के रूप में धान खरीदी केंद्र निवारी पहुंचे जहां किसानों ने स्वागत किया। कलीम खान ने विधिवत धान की पूजा अर्चना कर केंद्र को प्रारंभ कराया। वही कृषकों की मांग पर धान खरीदी कार्य के लिए जो कंप्यूटर कक्ष की मांग की गई थी इस पर उन्होंने तत्काल ही वन मंत्री मोहम्मद अकबर से चर्चा कर स्कूल में ही कंप्यूटर कक्ष की तत्काल व्यवस्था की जिससे किसानों ने मंत्री को व छत्तीसगढ़ शासन के सदस्य कलीम खान को हृदय से बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। कलीम खान ने कहा कि धान खरीदी केंद्र में अगर किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है तो वे उनसे तत्काल संपर्क कर समस्याओं से निदान पा सकेंगे इसके साथ ही स्थानीय कार्यकर्ताओं से भी वे समस्याओं के संबंध में चर्चा धान खरीदी केंद्र में होने वाली समस्याओं का निराकरण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर के विशेष प्रयास से आज किसान वर्ग युवा वर्ग आर्थिक उन्नति की ओर बढ़ रहे। इसके साथ ही किसानों के धान को छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा दामों पर खरीदा जा रहा है जिससे उनके आर्थिक उन्नति हो सकें। आज कबीरधाम जिला निरंतर हर क्षेत्र में आगे बढ़ते नजर आ रहा है चाहे वह स्वास्थ्य के क्षेत्र हो या फिर शिक्षा का उन्होंने आगे कहा कि धान खरीदी केंद्रों में बारदाना की कोई समस्याएं अभी नहीं है अगर कहीं ऐसी समस्या भी उत्पन्न होती है तो वे अपने ग्राम के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से मिल इस समस्या से निराकरण पा सकते हैं।

नियमितिकरण समिति की बैठक

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिला नियमितिकरण समिति की बैठक ली। उन्होंने कुल 5 हजार 516 प्रकरणों में से 230 प्रकरणों की अधिरोपित शास्ति जमा नहीं किए जाने के कारण निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति के द्वारा खैरागढ़ नगरीय निकाय क्षेत्र एवं राजनांदगांव नगर पालिक क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 में आदर्श आचार संहित लागू होने के कारण इनसे संबंधित प्रकरणों को छोड़कर शेष जिला राजनांदगांव अंतर्गत सभी निवेश क्षेत्रों में लंबित प्रकरण निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता की समाप्ति के बाद खैरागढ़ नगरीय क्षेत्र एवं नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 17 के प्रकरणों को निरस्त किए जाने संबंधी कार्रवाई समिति द्वारा की जाएगी।

चिटफंड कंपनी सनशाइन का डायरेक्टर वकील सिंह बघेल दिल्ली से गिरफ्तार

भाटापारा/नवप्रदेश। लोगो से एक निश्चित समय मे पैसा दुगना करने का झांसा देकर उनका निवेश कराने वाली चिटफंड कंपनी शन साइन इंफ्राबिल्ड कारपोरेशन लिमिटेड के खिलाफ थाना भाटापारा ग्रामीण मे धारा 420,34 भादवि, धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधिनियम 2013 की धारा 3,4,5 व छ.ग. निक्षेपकों का हित संरक्षण अधिनियम की धारा 10 के तहत दर्ज अपराध के मामले में पुलिस ने उसके डायरेक्टर वकील सिंह बघेल को दिल्ली से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उसकी संपत्ति के बारे में पतासाजी कर उसकी कुर्की की कार्यवाही चल रही है। जिला मुख्यालय में पत्रकारों को जानकारी देते हुए जिला पुलिस अधीक्षक आई के एलेसेला ने बताया कि थाना भाटापारा ग्रामीण में दर्ज अपराध क्र 475/2019 धारा 420,34 भादवि धन परिचालन स्कीम पाबंदी अधिनियम 2013 की धारा 3,4,5 व छ.ग. निक्षेपकों का हित संरक्षण अधिनियम की धारा 10 के तहत चिटफंड कंपनी सनशाइन इंफ्राबिल्ड कारपोरेशन लिमिटेड के डायरेक्टर वकील सिंह बघेल पिता नाथूराम बघेल निवासी कारक देवपुरा तहसील अटेर जिला भिंड मध्य प्रदेश को प्रीत विहार दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। चिटफंड कंपनी द्वारा लोगों को एक निश्चित समय अवधि में पैसा दुगुना करने का लुभावनी लालच देकर पैसा निवेश करवाया गया था। थाना भाटापारा ग्रामीण में आवेदकों द्वारा चिटफंड कंपनी से लगभग 22 लाख रुपए की राशि का एफआईआर दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त इस चिटफंड कंपनी से कलेक्ट्रेट कार्यालय में केवल जिला बलौदाबाजार-भाटापारा से ही लगभग 6000 आवेदन में लगभग 13 करोड़ रुपए की धनराशि वापसी के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है। बलौदाबाजार पुलिस द्वारा गिरफ्तार डायरेक्टर वकील सिंह बघेल से अभी पूछताछ जारी है। चिटफंड कंपनी द्वारा रायपुर, राजनांदगांव, धमतरी, बनारस,अलीगढ़, दिल्ली, भोपाल आदि स्थानों पर अचल संपत्ति भी अर्जित किया गया है। उक्त संपत्ति को चिन्हांकित कर कुर्की करने की कार्यवाही बलौदाबाजार पुलिस द्वारा किया जा रहा है।

मेधावी छात्र का विधायक ने किया सम्मान

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो गई है। अंचल के टेहका धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ विधायक शिवरतन शर्मा ने किया।इस दौरान ग्राम टेहका के मेघावी छात्र योगेश साहू का आईआईटी मुम्बई में सलेक्शन होने पर उसका सम्मान कर हौसला बढ़ाया।

इस वर्ष प्रदेश में 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। खरीफवर्ष 2021-22 में 22 लाख 66 हजार पंजीकृत किसानों से,2399 सेवा सहकारी समिति , के माध्यम से धान उपार्जन किया जाना है इस वर्ष धान खरीदी 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक चलेगी। शुरुआत में छोटे किसानों से धान लिया जाएगा एवं बाद में बड़े किसानों से धान लिया जाएगा। भाटापारा विधायक शिवरतन शर्मा ने सेवा सहकारी समिति टेहका में उपार्जन केंद्र में पहुंचकर पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया एवं किसानों को माला पहनाया, मेधावी छात्र योगेश साहू का फूल माला पहनाकर किया सम्मान एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान किसानों ने बारदाना को लेकर अपनी नाराजगी प्रकट की। बारदाना बाजार में 30 से 40 रुपए इस वक्त बिक रहा है और सरकार बारदाना का रेट केवल 25 की दर से भुगतान करेगी जिससे किसानों को सीधा सीधा नुकसान हो रहा है। सोसाइटी सदस्य मनु लाल यादव ने विधायक से धान खरीदी केंद्र में सेड निर्माण एवं कार्यालय खोले जाने की मांग की है। जिस पर विधायक ने प्रस्ताव बनाकर भेजने की बात कही।

चिटफंड कंपनियों के विरूद्ध पुलिस की बड़ी कार्यवाही

■ छत्तीसगढ़ में अनमोल इंडिया के विरूद्ध 22 मामले दर्ज थे

राजनांदगांव/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ पुलिस चिटफंड के आरोपियों पर लगातार कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में राजनांदगांव पुलिस ने अनमोल इंडिया एग्रो हर्बल फार्मिंग डेयरी केयर कंपनी लिमिटेड के चार निदेशकों को गिरफ्तार किया है। निदेशकों जावेद मेमन उम्र 45 साल, रोजिना अका सुप्रा बानो मेमन 32 साल, नीलोफर बानो मेमन 33 साल, नदिया बानो मेमन 34 साल को हैदराबाद और नारायणपुर से 30 नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया है। उक्त निदेशकों पर छत्तीसगढ़ भर में कुल 21 एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें राजनांदगांव में 9, सरगुजा में 6, कांकेर में 4, रायगढ़ में 1, बिलासपुर में 1 और इसके साथ ही महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में भी मामले दर्ज किए गए हैं। इन निदेशकों ने उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भी कंपनी खोलने की कोशिश की थी। राजनांदगांव जिले में कुल 9 एफआईआर दर्ज की गई है, जिनमें जिले में 5 हजार 934 निवेशकों से लगभग 15.34 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी।

कुल 9 निदेशकों जिनमें निदेशक जावेद मेमन, आयु 45 वर्ष, रोजिना उर्फ सुप्रा बानो मेमन आयु 32 वर्ष, नीलोफर बानो मेमन आयु 33 वर्ष, नादिया बानो मेमन उम्र 34 साल, खालिद मेमन उम्रः 42 साल, जुनैद मेमन उम्र 43 साल, फातिमा बानो मेमन उम्र 32 साल, हामिद मेमन उम्र 40 साल, उमर मेमन उम्र 70 साल में जहां खालिद मेमन और जुनैद मेमन को इससे पहले दिसंबर 2016 में गिरफ्तार किया जा चुका है। फातिमा बानो और हामिद मेमन को 17 जून 2021 को हाईकोर्ट द्वारा अग्रिम जमानत दी गई है। उमर मेमन की मृत्यु हो चुकी है।

विशेष रूप से गठित टीम के अथक प्रयासों से तकनीकी जानकारी के माध्यम से और एक सप्ताह से अधिक समय से संदिग्ध क्षेत्रों में शेष 4 को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया है। पूछताछ के माध्यम से पुलिस प्रारंभिक रूप से पैन विवरण, बैंक खातों द्वारा बहुत सारी जानकारी एकत्र कर रही है और उनके खातों में एसबीआई और एक्सिस बैंक की कुल 3.26 करोड़ रुपये फ्रीज करायी जाएगी। फोरेंसिक ऑडिट के जरिए मनी ट्रेल की भी जांच की जा रही है। उक्त कंपनी द्वारा राजनांदगांव में खोले गए एस्क्रो खाते में कुल 212 करोड़ रुपये की राशि जमा कराने की जानकारी मिली है।

टीम में सीएसपी गौरव राय आईपीएस, डीएसपी लोकेश देवांगन, इंस्पेक्टर शिवेन्द्र राजपूत, एसआई चेतन चंद्राकर, एसआई शक्ति सिंह, एसआई इंदिरा वैष्णव, एसआई रितेश सिंह, एएसआई द्वारिका प्रसाद लाउत्रे, एएसआई संतोष सिंह, हेड कांसटेबल जी. सिरिल, कंस्टेबल विभास सिंह, महिला कंस्टेबल श्यामली तराने, कंस्टेबल मोहसिन खान, महिला कन्स्टेबल भारती मेरिया, कंस्टेबल अवध किशोर साहू, कंस्टेबल गिरिजा शंकर देवांगन, कंस्टेबल लवन ताराम, कंस्टेबल तिलक नेताम, कंस्टेबल सरिता सोनकर, कंस्टेबल हेमंत साहू, कंस्टेबल आदित्य सिंह ने अलग-अलग शहरों से आरोपियों को ट्रेस किया।

ताने देने वाले जुबां... जब वर्दी देख करते सम्मान तो मिलता है सुकून

शुभ्रा नंदा/ रायपुर। जिसकी सुबह की शुरुआत तालियों और गालियों से होती थी, आज वही हाथ ताली की बजाए पुलिस का डंडा थामे दूसरों की रक्षा करने में जुटी है तो दूसरी ओर समाज के पढ़े लिखे लोग उन्हें गालियां देते नहीं थकते थे, वही जुबां पर आज ढ़ेर सारा सम्मान लिए खड़े हैं। किसी भी थर्ड जेंडर को फैमिली का सपोर्ट कम ही मिलता है। समाज तो कभी एक्सपेक्ट ही नहीं करता। नतीजन वे या तो ट्रेन में नजर आते हैं या नाचते-गाते हैं। आज हम आपको ऐसे ही कुछ थर्ड जेंडर्स से रू-ब-रू करा रहे हैं, जिन्होंने विपरित परिस्थितियों से गुजरते हुए एक मुकाम हासिल किया। छत्तीसगढ़ शासन ने आज उन्हें ऐसा पद दिया जिससे पाकर वे अभिभूत हैं, क्योंकि उन्हें सैल्यूट करने और लेने के सम्मान से जो नवाजा गया। तनुश्री साहू, शिवन्या पटेल, नीतू क्षत्रिय, कृषि तांडी, नैना शोरी, दिप्शा यादव, शबुरी, सोनिया जंघेल कहती है, कभी सोचा नहीं था, जो खाकी को देखकर भय या जद्दोजहद में पड़ जाते थे। आज वहीं वर्दी पहने न स्वयं की बल्कि दूसरो की रक्षा में खड़े नजर आते हैं। शबुरी कहती है, बहुत अच्छा लगता है, जब हम किसी के सम्मान में सैल्यूट करते हैं और कोई हमारे सम्मान में हाथ जोड़ते हैं। शब्दों में बयां करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ये सब हो पाया है विद्या राजपूत जैसे लोगों की वर्षों की कड़ी मेहनत और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयास से। आपको बता दे कि छत्तीसगढ़ में थर्ड जेंडर से 13 आरक्षक बने हैं, जिसमें 8 आरक्षक रायपुर से, 2 राजनांदगांव से तो वहीं बिलासपुर, अम्बिकापुर और धमतरी में क्रमशः एक-एक आरक्षक की पदास्थापना हुई। इन्हें ड्यूटी करते हुए करीब 6 महीने हो गए। इस दौरान उन्होंने अपने-अपने अनुभव 'नवप्रदेश' के सीनियर रिपोर्टर शुभ्रा नंदी से साझा किया। इन प्रत्येक आरक्षकों की एक अपनी कहानी है। इनका एक स्ट्रगल कल भी था और आज भी है, लेकिन उसके बाद भी एक सुकून यह है कि आज वे स्वतंत्र हैं।

अभी भी नाखुश है घर-परिवार

आठ से दस घंटे की ड्यूटी के बाद कभी मन तो हमारा भी करता कि घर-परिवार से बात करें, लेकिन मन को मारना पड़ता है। ये दुख केवल एक का नहीं बल्कि सभी थर्ड जेंडर्स का है। इतना होने के बाद भी वे आज भी घर-परिवार से दूर हैं। हालांकि अभी तक पूरी तरह से समाज का आईना पूरी तरह से नहीं बदला है। तनुश्री, शिवन्या, नीतू, कृषि, नैना, दिप्शा, शबुरी, सोनिया कहती है, वर्षों से चली आ रही लोगों की धारणा यूं ही नहीं बदलेगा, इसके लिए थर्ड जेंडर्स को उस धारा से निकलकर समाज की मुख्यधारा की ओर आना होगा। उन्हें पढ़ाई-लिखाई करके अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा, तब जाकर समाज हमें स्वीकार करेगा।

कोई नहीं जाता अपने घर

पुलिस आरक्षक के रूप में भले ही वे आज लोगों की रक्षा कर रही हो, लेकिन इनके परिवार आज भी उन्हें कई प्रतिबंध में रखना चाहते है। थर्ड जेंडर्स का कहना है कि नौकरी लगने के बाद उनके पेरेंट्स थोड़ी बहुत बातचीत तो करती है, लेकिन जब घर आने की बात करती हूं, तो वे अनेक पाबंधियों का फरमान जारी कर देते हैं। जब अपनों के बीच में ही इतनी पाबंदियां हो तो उस घर से तो अच्छा हम जहां रह रहे हैं वही ठीक हैं।

सपोर्ट मिले तो बन सकती है उच्चाधिकारी

थर्ड जेंडर्स का कहना है कि हमें घर-परिवार से बिल्कुल सपोर्ट नहीं मिलता, इसलिए हमें घर छोड़ना पड़ता है। काम तो नहीं मिलता इसलिए भूख मिटाने भीख मांगनी पड़ती है। अगर इस परिस्थिति में पेरेंट्स का सपोर्ट मिले तो थर्ड जेंडर भी आईपीएस, आईएएस या कोई बड़ा अधिकारी बन सकता है। उनका मानना है कि आज समाज में जिस भी थर्ड जेंडर को उपलब्धि मिली है, वो उनके काबिलियत के बूते मिली, यानी हमारे अंदर भी प्रतिभा है, लेकिन परिवार, समाज का सपोर्ट नहीं मिलने के कारण हम बेघर हो जाते हैं। उस समय कइयों के साथ शारीरिक मानसिक शोषण होता है। सबसे बचने फिर हम अपने समुदाय में जाकर ट्रेनों में ताली बजाकर भीख मांगने पर मजबूर हो जाते है या किसी के शोषण का शिकार होते रहते है। कोई हमारे प्रतिभा को देखना ही नहीं चाहता, उन्हें सिर्फ थर्ड जेंडर ही लगता है।

सपोर्ट से कार्यक्षेत्र में हुए सहज-सरल

तनुश्री, शिवन्या, नीतू, कृषि कहती हैं कि पुलिस विभाग में खासकर अधिनस्त साथियों का अपनत्व और बड़े अधिकारियों का सपोर्ट ही हमें अपने कार्यक्षेत्र में सहज-सरल होने में बहुत सहयोग देता है। हमारे जैसे जेंडर्स के लिए ऐसा अवसर हमारी जिंदगी को बदल दिया है। नैना, दिप्शा, शबुरी, सोनिया कहती हैं कि हमारे सहयोगी हमे कभी एहसास नहीं करवाया कि हमारा अलग जेंडर है। जीवन में कई ऐसे मौके आए जहां आम लड़कियां हंसी-मजाक करती थी तो हम सिर्फ देखते थे, कभी-कभी तो उलाहनें देते थे तो हम वहां से चले जाते थे। आज ऐसी ही सैकड़ों आम लड़कियां और लड़के हमारे साथी है, जिनके बीच हमारा अधिकांश समय व्यतित होता है, लेकिन कभी एहसास नहीं हुआ कि हम उनसे अलग हैं। अधिकारियों का रवैया भी ठीक वैसा ही रहता है, जैसे बाकि सबके साथ होता है। कर्मक्षेत्र में हमारे साथ अभी तक कोई भी भेदभाव नहीं हुआ।

पुलिस डिपार्टमेंट में इन राज्यों के थर्ड जेंडर शामिल

- पहली बार तमिलनाडु में बतौर ट्रांसजेंडर पृथिका यशिनी को पुलिस विभाग का हिस्सा बनने का मौका मिला था।
- राजस्थान के जालोर के रानीवाड़ा के जाखड़ी गांव की रहने वाली गंगा कुमारी बनी चुकी हैं पुलिस कांस्टेबल।

थर्ड जेंडर काम के प्रति गंभीर है। काम के लिए किसी तरह का बहानेबाजी नहीं करते। उन्हें सभी लोगों का सपोर्ट मिल रहा है। आगे बढ़ने की ललक भी इनमें दिखाई पड़ रही है। ड्यूटी के साथ-साथ पढ़ाई भी कर रही है ताकि उच्च पदों पर जा सकें।

वैभव मिश्रा, आरआई रायपुर

सरकारी नहर के सहारे रोड बनाकर अवैध प्लाटिंग का खुला-खेल

डूडा मेन रोड़ में लगभग साढ़े तीन एकड़ की बेशकीमती जमीन पर हो रहे वारे-न्यारे

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अवैध प्लाटिंग का खेल रूकने का नाम ही नहीं ले रहा है। इसके लिए नित-नए नुस्खे आजमाए जा रहे हैं। कहीं शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर तो कहीं जोर-जबरदस्ती के जरिए यह प्रयास किए जाने की जानकारियां सामने आ रही हैं। ताजा मामला तो हैरान करने वाला है यहां शासकीय नहर के सहारे ही सड़क निकालकर नहर को ही अवैध प्लाटिंग की भेंट किया जा रहा है। हम बात कर रहे हैं डूडा मेन रोड़ में कामरेड सुधीर मुखर्जी द्वार के ठीक सामने साढ़े तीन एकड़ की बेशकीमती जमीन की। यहां खेती की जमीन पर अवैध प्लाटिंग का खेल योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

सूत्रों की मानें तो जमीन हीराबाई साहू, तामेश्वर साहू, टिकाराम साहू व अन्य के नाम पर दर्ज है। इसमें अवैध प्लाटिंग के खिलाड़ी अपने तरीके से खेल रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने विसात कुछ इस तरह बिछाई है कि न खेलते (आन रिकार्ड) हुए भी वे खेल रहे हैं, और अपने तरीके व शर्तों पर। इसे इस तरह समझ सकते हैं कि जमीन किसी और की है। इसे कथित टोकन या एडवांस के जरिए अपने हक में मानते हुए अवैध प्लाटिंग का खेल खेला जा रहा है।

अपनी पड़ताल में हमें सबसे हैरत की बात यह लगी कि शासकीय नहर के सहारे रास्ता निकालने का प्रयास हो रहा है। ऐसे में समझा जा सकता है कि इन खिलाड़ियों के हौसले कितने बुलंद हैं। सवाल यह है कि अवैध प्लाटिंग का यह खेल काफी समय से खेला जा रहा है और प्रशासन अब तक क्या करता रहा है। क्या केवल शिकायत होने पर ही सरकार नींद से जागती है या फिर उनके पास कोई ऐसी योजना या टीम भी है जो ऐसे अवैधानिक प्रयासों पर पहले से नजर रखती है या कहें सतर्क रहती है।

अवैध प्लाटिंग के संबंध में कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में 79 लोगों पर एफआईआर करने के लिए संबंधित थानों को कहा गया है। तहसील कार्यालय से बटांकन की जानकारी ली जा रही है। साथ ही रजिस्ट्री कार्यालय को ऐसे खसरा नंबर भेजे गए हैं जिन पर उन्हें रजिस्ट्री न करने को कहा गया है।

दिनेश कोसरिया, जोन कमिश्नर

यहां यह बता देना आवश्यक हो जाता है कि हाल ही में नगर निगम की बैठक में अवैध प्लाटिंग का मुद्दा उठ चुका है। राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में कमोवेश ऐसी या अन्य तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं। नगर निगम में मामला आने के बाद अब जाकर प्रशासन ने सतर्कता दिखानी शुरू की है। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजना नरवा-गरूवा-धुरवा और बारी की अवधारणा को साकार करने में लगे प्रशासन का संबंधित विभाग इस नहर को लेकर बाखबर क्यों नहीं है?

राज्यपाल से गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन, बिलासपुर के राष्ट्रीय संचालक श्री अभिषेक कुमार उइके के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा कि आप लोग युवा हैं। समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के प्रति जागरूक करें और रचनात्मक कार्य करें। साथ ही समाज को शासन-प्रशासन की योजनाओं की जानकारी दें।

प्रतिनिधिमण्डल ने राज्यपाल से कहा कि हर जिलों में आदिवासी युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर तथा ट्राईबल लाइब्रेरी भी प्रारंभ किया जाए, जहां ऐसी पुस्तकें उपलब्ध हों जिससे आदिवासी समाज के महापुरूषों के बारे में जानकारी मिल सके।

राज्यपाल को वीर मेला में शामिल होने के लिए किया आमंत्रित

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में वीर मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राधेलाल नागवंशी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की और बालोद जिले में आयोजित होने वाले वीर मेला कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया। इस अवसर पर भावसिंह टेकाम, सखाराम सिदराम, उत्तरा मरकाम एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

धान खरीदी केंद्र में लापरवाही पर मिली नोटिस, मांगा स्पष्टीकरण

जगदलपुर । धान खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देशों के बावजूद लापरवाही बरतने पर नानगुर और बड़े मुरमा के खरीदी केन्द्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है । कलेक्टर रजत बंसल द्वारा धान खरीदी की सुचारु व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को भी निरंतर जायजा लेने के निर्देश दिए गए हैं । जगदलपुर के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी दिनेश नाग ने बुधवार को नानगुर, बड़े मुरमा, पल्ली, सरगीपाल और पुसपाल के धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया । इस दौरान उन्होंने नानगुर के और बड़े मुरमा धान खरीदी केन्द्र में बारदाना के रखरखाव व सुरक्षित धान भण्डारण के लिए डेनेज और किसानों के लिए शौचालय की व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए खरीदी केन्द्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण मांगा है । इसके साथ ही बड़े मुरमा के डाटा एन्ट्री आपरेटर को अपने कर्तव्य स्थल में अनुपस्थित रहने के कारण स्पष्टीकरण मांगा गया ।

अंधकार हुआ दूर, सब्जी मार्केट हुआ रौशन, परेशानियां हुई दूर

रामानुजगंज/नवप्रदेश। नगर के गांधी मैदान में स्थित सब्जी बाजार विगत तीन चार वर्षों से

संचालित हो रहा है, लेकिन आज पर्यंत तक यहां लाइट की सुविधा नहीं मिल पायी थी। शाम होते ही मार्केट में अंधेरा छाने लगता था। इससे किसान अपनी मेहनत की फसल को औने-पौने दाम में बेच कर घर जाने के लिए हड़बड़ी में रहते थे। इससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले किसानों को इन परिस्थितियों से नहीं गुजरना पड़ेगा। क्योंकि नगर पंचायत अध्यक्ष की सक्रियता से सब्जी मार्केट में लाइट की समुचित व्यवस्था कर दी गई है। अब किसान यहां देर शाम तक अपनी सब्जियां आराम से बेच रहे हैं। वहीं खरीददार भी पहुंच रहे हैं। रौशनी की व्यवस्था होने की वजह से सब्जी व्यवसायियों के चेहरे पर खुशी है।

गौरतलब है कि पहले सब्जी दुकान वर्षों से सिर्फ सब्जी बाजार में ही लगता था परंतु वहां जगह बहुत कम होने से दूर दराज गांवों से आने वाले छोटे सब्जी विक्रेताओं को बैठ कर सब्जी बेचने की जगह नहीं मिल पाती थी। इससे सब्जी विक्रेता परेशान हो रहे थे। जगह कम पड़ने से अन्य व्यवसायियों की भी परेशानियां बढ़ती जा रही थी, खरीददारों को भी असुविधा होती थी। इस समस्या के निदान के लिए तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के प्रयास से सब्जी बाजार को पुराने सब्जी बाजार के साथ साथ गांधी मैदान में भी संचालित किया जाने लगा जहां 10 से 15 किलोमीटर दूर गांव से आने वाले सब्जी व्यवसायी भी यहां आसानी से सब्जी बेच रहे हैं परंतु गांधी मैदान में लाइट नहीं रहने के कारण शाम ढलते ही जो दूरदराज गांव से आते हैं उन्हें औने पौने दाम में अपना सब्जी बेचकर जाना पड़ता था इसकी परेशानी नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने समझते हुए वहां हाई मार्क्स लाइट लगवा दिया गया जिस कारण अब वे देर शाम तक भी अपना सब्जी बेच रहे हैं एवं खरीददार भी पहुंच रहे हैं।